www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
30 अक्टूबर 2026
वर्ष: 49
अंक: 170 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

यूपी में व्यवस्था परिवर्तन के लिए हिंसा पड़ेगी भारी!

सरकार ने बनाया नया नियम, नौकरी पर छाएगा संकट

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में व्यवस्था बदलने के लिए युवा अगर सड़क पर उतरकर हिंसा करते हैं तो उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। राज्य सरकार ने अलग-अलग विभागों, परिषदों, निगमों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले कैंडीडेट्स के चरित्र प्रमाण पत्र से जुड़े नियमों में यह बदलाव किया है। यूपी में नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव एम. देवराज ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति ऐसे संगठन का सदस्य है, जिसका मकसद हिंसा के जरिए समाज की व्यवस्था बदलना है, तो उसे सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य माना जाएगा।

21 साल की उम्र के बाद की गतिविधियां नोट की जाएंगी

नए नियमों में उम्र और समय से जुड़ी शर्त भी रखी गई है। 21 साल की उम्र पूरी करने के बाद किसी व्यक्ति की ऐसी गतिविधियों को देखा जाएगा। संबंधित मामले की जांच की तारीख से तीन साल के भीतर अगर वह व्यवस्था परिवर्तन से जुड़े प्रदर्शनों में शामिल पाया जाता है, तो माना जाएगा कि वह अब भी ऐसी गतिविधियों में शामिल है। हालांकि, इस दौरान व्यक्ति की सोच और व्यवहार में अच्छा बदलाव दिखाई देता है, तो उसे सरकारी नौकरी देने पर विचार किया जा सकेगा। यानी ऐसे मामलों में व्यक्ति के व्यवहार और उसमें आए बदलाव को भी ध्यान में रखा जाएगा।

बंगाल बॉर्डर पर 'फेंसिंग' देख तिलमिलाया बांग्लादेश

जवानों पर फेंके पत्थर तो बीएसएफ ने दिया मुंहतोड़ जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है। शुभेंदु अधिकारी सरकार द्वारा 1100 एकड़ से अधिक जमीन सौंपे जाने के बाद, सीमा सुरक्षा बल ने कई संवेदनशील इलाकों में निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह जमीन कई सालों से उपलब्ध नहीं हो पा रही थी। राज्य के गृह विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने मई से अब तक बीएसएफ को 1177.1 एकड़ जमीन सौंपी है। इससे एक बड़ी प्रशासनिक बाधा दूर हो गई है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय सीमा के कुछ हिस्सों पर बाड़ लगाने का काम रुका हुआ था। इधर भारत- बांग्लादेश बॉर्डर पर फेसिंग का काम देखकर पड़ोसी देश तिलमिला गया है। बंगाल की ओर हो रही बाड़बंदी अब नजर आने लगी है। ऐसे में बाग्लादेश तिलमिला रहा है।

113 किमी नदी वाला इलाका

पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश के साथ भारत की 4,096.7 किलोमीटर लंबी सीमा का लगभग 2,216.7 किलोमीटर हिस्सा साझा करता है। इस तरह, अंतरराष्ट्रीय सीमा का सबसे लंबा हिस्सा इसी राज्य में पड़ता है। मई में जब मौजूदा राज्य सरकार सत्ता में आई, तब पश्चिम बंगाल में सीमा का 563 किलोमीटर से अधिक हिस्सा बिना बाड़ के था।

नदी वाले इलाके और सीमावर्ती गांव बड़ी चुनौतियां

इतनी प्रगति के बावजूद, पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है जहां अभी तक पारंपरिक बाड़ नहीं लगाई गई है। हाल के अनुमानों के अनुसार, राज्य की लगभग 569 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अभी भी बाड़ नहीं लगी है। हालांकि, इस हिस्से में कुछ जगहें ऐसी हैं जहां नदियां हैं या वहां की भौगोलिक स्थिति ऐसी है, जहां सामान्य तरीके से बाड़ नहीं लगाई जा सकती। जीरो लाइन के पास लगभग 360 गांवों का होना, जिनकी कुल आबादी करीब 70,000 है, सीमा पर बाड़ लगाने और निर्माण कार्य को और जटिल बना देता है। कई इलाकों में कृषि भूमि, घर और स्थानीय रास्ते अंतरराष्ट्रीय सीमा के बहुत करीब हैं। ऐसे में, निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सुरक्षा एजेंसियों, स्थानीय प्रशासन और वहां रहने वाले लोगों के बीच तालमेल बिठाना जरूरी हो जाता है।

संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में निर्माण कार्य जारी

मुर्शिदाबाद के जलांगी जैसी जगहों पर बाड़ लगाने का काम शुरू हो गया है। यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास खेतों के किनारे एक्स आकार के कंटीले तारों वाले ढांचे और जालीदार पैनल लगाए जा रहे हैं। इस काम का उद्देश्य मौजूदा बाड़ नेटवर्क में मौजूद खाली जगहों को भरना और संवेदनशील हिस्सों पर आवाजाही की निगरानी करने की बीएसएफ की क्षमता को मजबूत करना है। बाड़ लगाने के लिए सबसे अधिक जमीन मुर्शिदाबाद को आवंटित की गई है, जहां 362.8 एकड़ जमीन बीएसएफ को सौंपी गई है। इसके बाद मालदा को 247.7 एकड़ और उत्तर 24 परगना को 243.7 एकड़ जमीन दी गई है। नदिया, कूच बिहार, जलपाईगुड़ी और दिनाजपुर जिलों में भी जमीन सौंपी गई है। इन इलाकों में जमीन की उपलब्धता और अन्य प्रशासनिक मुद्दों के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

आरएसएस में पहली बार बनेंगी राज्य इकाइयां

11 क्षेत्र घटकर अब 9 होंगे, 46 प्रांतों से 90 संभाग बनेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित बदलावों में क्षेत्र घटाना और नए संभाग बनाना शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के 11 क्षेत्र घटाकर 9 किए जाएंगे। मौजूदा 46 प्रांतों की जगह करीब 90 संभाग बनाए जाएंगे। संघ पहली बार राज्य स्तर पर संगठनात्मक इकाइयां बनाएगा। इनमें केवल राज्य प्रचारक और राज्य कार्यवाह होंगे। इस व्यवस्था में

राज्य संघचालक का पद नहीं होगा। संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक 2 से 4 नवंबर तक मध्यप्रदेश के इंदौर में होगी। तीन दिन की बैठक में संगठन के पुनर्गठन, शताब्दी वर्ष की गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

संगठन में विकेंद्रीकरण की तैयारी

प्रस्तावित बदलावों का मकसद संघ के कामकाज को विकेंद्रीकृत करना है। इसके तहत जिम्मेदारियां ज्यादा प्रभावी ढंग से बांटी जाएंगी और अलग-अलग स्तरों पर तालमेल बेहतर किया जाएगा। अधिक संख्या में संभाग बनने से संगठनात्मक गतिविधियों का प्रबंधन आसान होने की उम्मीद है।

आजम को जमानत, लेकिन बाहर आना होगा मुश्किल

बेटा जेल से छूटेगा, 2 पैन कार्ड मामले में 10 साल की सजा सस्पेंड

लखनऊ (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला की 10 साल की सजा को हाईकोर्ट ने सस्पेंड कर दिया। दोनों को जमानत भी दे दी। गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डबल पैन कार्ड मामले में यह फैसला सुनाया है। हालांकि, कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने से

इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब्दुल्ला के जेल से बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, आजम अभी जेल से बाहर आएंगे या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। वजह आजम के खिलाफ अभी दो पेंडिंग केस हैं। आजम के खिलाफ एक मामला ईडी ने हाल ही में दर्ज किया है। जबकि एक मामला 10 सितंबर का है, जिसमें यूपी विजिलेंस ने आजम के खिलाफ केस दर्ज किया था। अगर इन मामलों में पुलिस वारंट-बी नहीं लेती है तो आजम जेल से बाहर आ सकते हैं। आजम को बेटे अब्दुल्ला के डबल पैन कार्ड मामले में रामपुर की कोर्ट ने दोषी ठहराया था।

घेराबंदी तोड़ो, आगे बढ़ो! पटना की सड़कों पर 'आक्रोश'

फूटा दारोगा अभ्यर्थियों का गुस्सा, पुलिस बैरिकेडिंग तहस-नहस

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में दारोगा भर्ती के अभ्यर्थियों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। 1799 पदों के लिए आयोजित दारोगा मुख्य परीक्षा को रद्द किए जाने के निर्णय से नाराज सैकड़ों अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास (लोक सेवक आवास) का घेराव करने के मकसद से सड़कों पर उतर आए। पुलिस की ओर से गांधी मैदान और जेपी गोलंबर पर की गई सख्त घेराबंदी और बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए उग्र अभ्यर्थी डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ गए। अभ्यर्थियों का आरोप है

कि पिछले एक महीने से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के बाद भी शासन-प्रशासन की ओर से उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की गई, जिससे उन्हें यह कड़ा रुख अपनाने पर मजबूर होना पड़ा। प्रदर्शन की शुरुआत गुरुवार सुबह गांधी मैदान के गेट नंबर-10 से हुई। नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे अभ्यर्थियों को रोकने के लिए पुलिस ने जेपी गोलंबर पर मजबूत बैरिकेडिंग लगा रखी थी। हालांकि, आक्रोशित अभ्यर्थियों ने पुलिस की बैरिकेडिंग उखाड़ फेंकी और डाकबंगला चौराहे की तरफ बढ़ गए। स्थिति बेकाबू होते देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा, जिससे राजधानी के मुख्य मार्गों पर काफी देर तक यातायात ठप्प रहा।

गर्दनीबाग में महीने भर से जारी था शांतिपूर्ण धरना

सड़कों पर उतरे अभ्यर्थियों ने बताया कि वे पिछले एक महीने से गर्दनीबाग धरना स्थल पर अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे थे। इसके बावजूद सरकार और प्रशासन के किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने उनकी सुध नहीं ली और न ही कोई आश्वासन दिया। अधिकारियों की इस लगातार अनदेखी और ढुलमुल रवैये के कारण ही उन्हें मजबूरन सड़क पर उतरकर मुख्यमंत्री आवास की ओर रुख करना पड़ा। डाकबंगला चौराहे पर पुलिस के साथ हुई नोकझोंक के बीच प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर लिखित और ठोस आश्वासन नहीं मिलता, उनका ये आंदोलन खत्म नहीं होगा। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी है कि अगर परीक्षा बहाली और पीईटी की तिथि जारी नहीं की गई, तो आंदोलन और तीव्र किया जाएगा। फिलहाल, सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस बल की टीमें पूरे इलाके में मुस्तैद हैं।

प्रदेश के पांच जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

दो नवंबर तक सतर्क रहने की चेतावनी

देहरादून। मौसम विभाग ने बागेश्वर, पिथौरागढ़, नैनीताल और चंपावत जिलों के कुछ स्थानों पर भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों के साथ चमोली में कहीं-कहीं गरज-चमक, आकाशीय बिजली, ओलावृष्टि और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है।

राज्य के शेष जिलों में भी कहीं-कहीं गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। इतना ही नहीं 3200 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार भी हैं। आने वाले दिनों की बात करें तो दो नवंबर तक प्रदेश भर में मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही रहने के आसार हैं।

आपदा प्रबंधन विभाग ने अफसरों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया। मौसम विभाग ने शुक्रवार को पांच जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि अन्य के लिए येलो अलर्ट है। इसके दृष्टिगत सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने जिलों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और सभी संबंधित अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहते हुए आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने चारधाम यात्रा मार्गों पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खराब मौसम अथवा किसी भी संभावित खतरे की स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका जाए। सचिव सुमन ने कहा कि संबंधित अधिकारी यात्रा मार्गों की स्थिति पर लगातार नजर रखें और परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक निर्णय लें।मौसम संबंधी चेतावनी के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही पर विशेष सतर्कता और किसी भी आपात स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए राहत, बचाव दलों को तैयार रखा जाए। उन्होंने आमजन से अपील की कि मौसम विभाग की चेतावनियों को गंभीरता से लें, खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें तथा नदी-नालों, जलधाराओं और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के आसपास विशेष सावधानी बरतें।

कैंसर का 80 हजार का इंजेक्शन 7 हजार में मिलेगा

543 दवाओं के दाम घटे, नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के फैसले के बाद 397 यानी 73 फीसदी दवाओं के दाम घटाए गए हैं। इनमें 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। 97 ब्रांड की दवाओं की कीमतों में 70 फीसदी से

ज्यादा और 50 में 80 फीसदी से ज्यादा कटौती हुई है। पांच दवाओं की कीमतों में 90 फीसदी से ज्यादा कटौती हुई है। सबसे बड़ी कटौती सैमटेपा इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत 80,071 से घटाकर 7,150 कर दी गई है। पैलबोप्रो दवा के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत 40,421 से घटकर 2,720 हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सवाल किया था कि दवाओं की कीमतों पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा रही। इसके बाद कंपनियों ने नई कीमतें जारी की हैं, जो 9 नवंबर से लागू होंगी। हालांकि, 146 ब्रांड-पैक की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकार ने 137 एंटी-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन को कम किया है।

कुछ महंगी दवाओं के दाम कम नहीं हुए

कैंसर की कई दवाओं के दाम घटाए गए हैं, लेकिन कुछ महंगी दवाओं की कीमतें पहले जैसी ही हैं। इनमें इम्यूनोथेरेपी की दवा कीट्रूडा भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल 21 से ज्यादा तरह के कैंसर के इलाज में होता है। इसकी कीमत अभी भी 2,16,500 है। ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली रिबोसाइक्लिब की कीमत भी 24,435 पर बनी हुई है। इसके अलावा टैग्रिसो, टेसेंट्रिक, डार्जालेक्स और इम्फिंजी जैसी दवाओं के दामों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेटेंट वाली दवाओं के दाम घटाना मुश्किल है, क्योंकि ये नई तकनीक और पेटेंट अधिकारों से जुड़ी होती हैं। कीमतें कम होने पर कंपनियां भारत में इनकी सप्लाई घटा या बंद कर सकती हैं। कैंसर और अन्य बीमारियों की दवाओं पर ज्यादा मुनाफा वसूलने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। हाल ही में कोर्ट में 13 हजार के इंजेक्शन को 1 लाख से ज्यादा में बेचने का मामला भी उठा था।

पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद कर रहा

सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत और रिटेलर को मिलने वाली कीमतों में भारी अंतर पर सरकार से सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद क्यों कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि सरकार की नजरों के सामने यह सब हो रहा है, क्या इसे ऐसे ही बेलगाम चलने देना चाहिए। दोनों मामलों की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने एंटी-कैंसर दवाओं का ट्रेड मार्जिन के 30 फीसदी तक सीमित करने पर केंद्र के जवाब को मुश्किल से कुछ खुश होने लायक बताया था। कोर्ट ने सवाल किया था कि सरकार दूसरी दवाओं के ट्रेड मार्जिन की सीमा तय क्यों नहीं कर सकती। अस्पतालों के कैंसर दवाओं पर भारी मुनाफा जोड़े जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी आलोचना का सामना कर चुके केंद्र ने कहा था कि उसने एंटी-कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन के 30 फीसदी तक सीमित करने का अहम फैसला लिया है। केंद्र के मुताबिक, इस फैसले से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है।

इंडिया ब्लॉक से गठबंधन कर सकती है सीजेपी

कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा, 1 नवंबर की रैली को समर्थन

राहुल गांधी बोले-छात्र संगठन भी मार्च में आएं, माहौल बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने विपक्ष की 1 नवंबर की रैली का समर्थन किया है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी के लोग रामलीला मैदान में होने वाली रैली में शामिल हो सकते हैं। सीजेपी ने इंडिया ब्लॉक से गठबंधन के संकेत भी दिए हैं। उसने इस पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा है। वहीं, राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्र संगठनों से भी 1 नवंबर के दिल्ली चलो मार्च में आने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि पुलिस-लाठीचार्ज की चिंता नहीं

करें। घबराने की जरूरत नहीं है। इस रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर ब्लॉक की बैठक हुई। इसमें प्रियंका गांधी वाड्रा समेत गठबंधन के कई नेता पहुंचे। इंडिया ब्लॉक और सीजेपी दोनों ही एसआईआर और वोटरों के नाम काटे जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

राहुल बोले- ये किसी राजनीतिक पार्टी का मार्च नहीं

राहुल ने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक पार्टी का मार्च नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को बचाने का मार्च है। यह मार्च भारतीय संविधान और राष्ट्र की रक्षा के लिए है। एक नवंबर का मार्च लोकतंत्र बचाने, वोट चोरी रोकने और संविधान की रक्षा के लिए है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को लगता है कि देश के लोकतंत्र, संविधान, विचारों और अपनी बात रखने की आजादी पर हमला हो रहा है तो उसे इस मार्च में शामिल होना चाहिए। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक शुक्रवार को ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में पब्लिक महाभियोग प्रोग्राम करेगा। इसमें राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता शामिल होंगे। दूसरी जगह पर परमिशन नहीं मिलने के बाद अब यह कार्यक्रम दोपहर 3.30 बजे 10 राजाजी मार्ग पर होगा। ये कार्यक्रम विपक्ष की 1 नवंबर को रामलीला मैदान पर होने वाली रैली से पहले होगा। पब्लिक महाभियोग में जनता या राजनीतिक दल किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ विरोध जताते हैं।

ओडिशा में 'अर्नब' का कहर बाढ़ संकट में घिरे 300 गांव

आंध्र प्रदेश में रेलवे पुल डूबा, कई जगह होर्डिंग उखड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान अर्नब भले ही कमजोर पड़ गया है लेकिन देश भर में इसका असर जारी है। चक्रवात ने सबसे ज्यादा ओडिशा और आंध्र प्रदेश में तबाही मचाई है। दोनों राज्यों में करीब 6 लोगों की मौत हुई है। ओडिशा के गंजाम जिले में लगातार 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। करीब 300 गांवों में बाढ़ आ गई है। राज्य सरकार इन इलाकों में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से निकालने की तैयारी कर रही है। राज्य में अब तक करीब 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में एक रेलवे पुल पानी में डूब गया है, जिसके चलते दोनों ओर से ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। प्रशासन फंसे यात्रियों को सड़क के रास्ते निकालने की तैयारी कर रहा है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में हजारों पेड़ गिर गए हैं।

संपादकीय

स्वर्ण समाज की नाराजगी

उत्तर प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी की ताकत का एक बड़ा आधार उसका व्यापक सामाजिक गठबंधन रहा है। इस गठबंधन में स्वर्ण समाज की अहम भूमिका रही है लेकिन राजनीति में कोई भी समर्थन स्थायी नहीं होता। जब मतदाता को लगता है कि उसकी अपेक्षाओं, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है, तो उसका असंतोष चुनावी परिणामों में दिखाई देने लगता है।

हाल में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की 11 सीटों के चुनाव परिणामों ने भाजपा की रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। 29 अक्टूबर 2026 को सामने आए परिणामों के अनुसार, भाजपा छह सीटें जीत सकी, जबकि समाजवादी पार्टी ने चार सीटों पर जीत दर्ज की। वाराणसी, आगरा और लखनऊ जैसे क्षेत्रों में भाजपा को मिले झटकों ने इस चर्चा को और तेज किया है कि क्या पार्टी अपने परंपरागत समर्थक वर्गों की नाराजगी को समझने में चूक रही है। यूजीसी के नियमों से जुड़ा विवाद, शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित चिंताएं तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों ने स्वर्ण समाज के कुछ वर्गों में बेचैनी पैदा की है। सितंबर 2026 में विधान परिषद चुनाव के प्रत्याशी चयन पर हुई चर्चाओं में भी इस असंतोष को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पृष्ठभूमि के रूप में देखा गया था। यह मानना गलत नहीं होगा कि स्वर्ण समाज के एक हिस्से की नाराजगी भाजपा के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि चुनाव केवल जातीय समीकरणों से नहीं जीते जाते, लेकिन सामाजिक प्रतिनिधित्व की उपेक्षा भी राजनीतिक नुकसान पहुंचा सकती है। विधान परिषद के चुनाव में प्रत्याशी का व्यक्तिगत प्रभाव, शिक्षक और स्नातक मतदाताओं से उसका संबंध, संगठन की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों की समझ निर्णायक भूमिका निभाते हैं। आगरा शिक्षक सीट पर भाजपा के टिकट से वंचित रहे आकाश अग्रवाल ने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की। वाराणसी शिक्षक सीट पर सपा के लाल बिहारी यादव ने भाजपा के उम्मीदवार को पराजित किया। लखनऊ स्नातक सीट पर भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने सामाजिक गठबंधन में संतुलन बनाए रखने की है। पिछड़े वर्गों और अन्य वंचित समूहों के बीच अपना आधार मजबूत करना किसी भी राजनीतिक दल की स्वाभाविक रणनीति है। लेकिन नए सामाजिक वर्गों को जोड़ने की कोशिश यदि पुराने समर्थकों के बीच उपेक्षा की भावना पैदा कर दे, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है।राजनीति में किसी एक वर्ग को महत्व देना और दूसरे को नजरअंदाज करना दो अलग बातें हैं। सामाजिक न्याय और प्रतिनिधित्व का उद्देश्य किसी समुदाय को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करना नहीं, बल्कि सभी को अवसर उपलब्ध कराना होना चाहिए। भाजपा की कमजोरियों से समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों को राजनीतिक अवसर मिल सकता है। लेकिन किसी वर्ग की नाराजगी का अर्थ यह नहीं है कि वह स्वतः किसी एक विपक्षी दल के साथ चला जाएगा। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले विधान परिषद के ये परिणाम भाजपा के लिए चेतावनी की तरह देखे जा सकते हैं। चुनाव में अपेक्षित सफलता न मिलने पर केवल जातीय समीकरणों को दोष देना या कुछ नेताओं पर जिम्मेदारी डाल देना पर्याप्त नहीं होगा।

स्वर्ण समाज के भीतर यदि असंतोष है, तो उसकी वजहों को समझना होगा। साथ ही अन्य सामाजिक वर्गों की अपेक्षाओं और अधिकारों को भी समान गंभीरता से देखना होगा। उत्तर प्रदेश के एमएलसी चुनावों में भाजपा का अपेक्षित प्रदर्शन न कर पाना कई सवाल खड़े करता है। स्वर्ण समाज के एक हिस्से की नाराजगी, प्रत्याशी चयन में चूक, स्थानीय गुटबाजी और संगठनात्मक कमजोरी संभावित कारणों में शामिल हैं। लेकिन उपलब्ध परिणामों के आधार पर किसी एक कारण को निर्णायक घोषित करना जल्दबाजी होगी। यह चुनाव भाजपा को एक स्पष्ट संदेश देता है राजनीतिक समर्थन को स्थायी मान लेना किसी भी दल के लिए जोखिम भरा है। स्वर्ण समाज हो या कोई अन्य वर्ग, हर समुदाय अपने सम्मान, प्रतिनिधित्व और भविष्य की अपेक्षाओं को महत्व देता है। या तो निश्चित है कि स्वर्ण समाज भारतीय जनता पार्टी के वहीं से बेहद आहत लगा है खास तौर से उन परिस्थितियों में जो जबकि जनरल कास्ट को लगता था कि भाजपा एक मात्र ऐसी पार्टी है जो स्वर्ण समाज के हित की सोच सकती थी, लेकिन जैसी परिस्थितियों अब सामने आई ह, उससे पुरा स्वर्ण वर्गद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

वीटो के विशेषाधिकार से नहीं, समान अधिकारों से मजबूत होगी, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

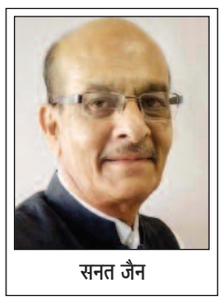

सनत जैन

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का मूल उद्देश्य दुनिया को युद्ध, हिंसा और विनाश से बचाना तथा अंतर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और सहयोग को मजबूत करना था। आज वैश्विक परिस्थितियां सवाल उठा रही हैं, क्या संयुक्त राष्ट्र अपने मूल उद्देश्यों को पूरा कर पा रहा है? इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक, लंबे समय से जारी हिंसा और नागरिकों की मौतें अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। ऐसे समय में सुरक्षा परिषद में सुधार और स्थायी सदस्यों के बीच समान अधिकारों की मांग महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के प्रतिनिधि पर्वथनैनी ने सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता पर भारत का पक्ष रखते हुए वीटो के अधिकार को समानता के सिद्धांत से जोड़ने की बात कही। भारत का तर्क है कि यदि सुरक्षा परिषद का विस्तार कर नए स्थायी सदस्य शामिल किए जाते हैं, तो उन्हें भी वीटो का अधिकार मिलना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में पांच स्थायी सदस्य अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस को वीटो प्राप्त है। इससे इन देशों को ऐसे प्रस्तावों को रोकने की शक्ति मिलती है, जिन्हें अन्य सदस्य देश बहुमत से समर्थन दे सकते हैं।

सवाल यह है कि क्या विश्व शांति की जिम्मेदारी उठाने वाली संस्था में अधिकारों का असमान वितरण न्यायसंगत है? भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश और प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत का मानना है, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी यह बात अंतर्राष्ट्रीय मंच से कह चुके हैं। वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में भारत की भी भूमिका वास्तविक और प्रभावी होनी चाहिए। हालांकि, वीटो सहित सुरक्षा परिषद के सुधार पर सदस्य देशों के बीच सहमति बनाना एक बड़ी जटिल अंतर्राष्ट्रीय चुनौती है। सुरक्षा परिषद की सीमाएं केवल प्रतिनिधित्व तक ही नहीं हैं। जब शक्तिशाली देशों के हित टकराते हैं, तो वीटो के कारण सामूहिक हित बाधित होते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध रोकने, मानवीय सहायता पहुंचाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास पर्यावरण संरक्षण कमजोर पड़ते हैं। इससे संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। छोटे तथा विकासशील देशों के मन में यह सवाल पैदा होता है, क्या अंतर्राष्ट्रीय कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है? पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से अमेरिका या नाटो देशों ने जिस तरह से एक तरफ आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं, उसको लेकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं कमजोर साबित होने लगी हैं। अमेरिका द्वारा रूस, ईरान जैसे देश की बहुत बड़ी रकम को जप्त कर लेना, भारत चीन और अन्य देशों पर मनमाने तरीके से टेरिफ़ बढ़ा देना, वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करना, डब्लूटीओ और पर्यावरण से संबंधित नियमों का पालन नहीं करना, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की आर्थिक सहायता को रोक देना, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर कर रही हैं। इस व्यवस्था का प्रभाव केवल कूटनीति और सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता। युद्धों पर होने वाला भारी खर्च, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक कल्याण के लिए उपलब्ध संसाधनों को प्रभावित करता है। हथियारों की दौड़ के बीच दुनिया के अनेक हिस्सों में गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी की समस्या बढ़ती जा रही है। आर्थिक असमानता बढ़ने से सामाजिक असंतोष और विरोध प्रदर्शनों की स्थितियां पैदा होती हैं। शांति का अर्थ केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि ऐसा सामाजिक वातावरण भी है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन, भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। प्रकृति की सुरक्षा भी इसी वैश्विक जिम्मेदारी का अभिन्न हिस्सा है। जलवायु परिवर्तन, जंगलों का विनाश, खनिज संसाधनों का अनियंत्रित दोहन, समुद्रों में प्रदूषण और जैव विविधता का क्षरण किसी एक देश की समस्या नहीं हैं। अनियमित वर्षा, भीषण गर्मी, बाढ़, सूखा और ग्लेशियरों का पिघलना मानव जीवन और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, जवाबदेही और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, जवाबदेह और प्रभावी बनाना समय की मांग है। सुरक्षा परिषद में सुधार के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का निष्पक्ष एवं कड़ाई से अनुपालन, संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान, मानवीय सहायता और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। विकसित और विकासशील देशों के बीच विश्वास बढ़ाना तथा छोटे देशों की आवाज को निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त स्थान देने पर ही संयुक्त राष्ट्र संघ मजबूत होगा। संयुक्त राष्ट्र की शक्ति केवल उसके प्रस्तावों में नहीं, बल्कि उन पर अमल कराने की सामूहिक इच्छाशक्ति में निहित है। यदि दुनिया के देश इस संस्था पर विश्वास खो देंगे, तो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कमजोर होगा, वैश्विक एवं आपसी संघर्षों का खतरा बढ़ेगा। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों से मिले सबक को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें शक्ति के साथ जिम्मेदारी और अधिकारों के साथ जवाबदेही भी हो। विश्व शांति, सामाजिक न्याय और प्रकृति की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र को कुछ शक्तिशाली देशों के हितों से आगे बढ़कर प्रकृति के संरक्षण और मानव समाज के हितों के लिए आगे आना होगा। ब्रह्मांड की कोई सीमा नहीं है। यदि इससे छेड़छाड़ की गई तो यह सभी के लिए विनाशकारी साबित होगी।

दवा कीमतों पर सर्वोच्च न्यायालय की चिंता जायज

सौरभ वार्ष्णेय

स्वास्थ्य किसी भी सभ्य समाज की बुनियादी आवश्यकता है और जीवन बचाने वाली दवाओं तक सुलभ पहुंच प्रत्येक नागरिक का अधिकार होना चाहिए। लेकिन जब बीमारी से जूझ रहा व्यक्ति इलाज के खर्च के सामने बेबस हो जाए, तब स्वास्थ्य व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। देश की सर्वोच्च न्यायालय ने दवाओं और चिकित्सा उत्पादों की कीमतों में कथित भारी अंतर पर जो गंभीर चिंता जताई है, वह केवल दवा बाजार की अनियमितताओं का मामला नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य, सरकारी जवाबदेही और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा एक व्यापक प्रश्न है। अदालत के समक्ष कैंसर के एक इंजेक्शन का उदाहरण आया, जिसकी कीमत लगभग ग्यारह हजार रुपये बताई गई, जबकि निजी अस्पताल में उसी इंजेक्शन के लिए डेढ़ लाख रुपये वसूले जाने की बात सामने आई। यदि इन आंकड़ों की पुष्टि होती है, तो यह अंतर निश्चित रूप से जांच और जवाबदेही की मांग करता है।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज और उसके परिजन पहले ही मानसिक, शारीरिक बेदना सहित आर्थिक संकट से गुजरते हैं। ऐसे समय में इलाज का खर्च उनकी परेशानी को कई गुना बढ़ा देता है। परिवार अपनी बचत खर्च करता है, संपत्ति बेचने को मजबूर होता है और कई बार उधार लेकर उपचार कराता है। यदि किसी दवा की खरीद कीमत और मरीज से वसूली जाने वाली राशि के बीच असाधारण अंतर है, तो यह जानना आवश्यक है कि उस अंतर में दवा की वास्तविक लागत, अस्पताल का खर्च, भंडारण, आपूर्ति, कर, सेवा शुल्क और अन्य मदों का कितना योगदान है।

यह समझना भी जरूरी है कि दवा की निर्माता कीमत, वितरक की कीमत, अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी और अस्पताल द्वारा मरीज से वसूली जाने वाली राशि हमेशा एक समान नहीं होती। अस्पताल में दवा देने, उसे सुरक्षित रखने, निगरानी करने और उपचार संबंधी सेवाओं का खर्च भी हो सकता है। लेकिन इन खर्चों के नाम पर यदि बिना उचित आधार के कई गुना रकम वसूली जाती है, तो उसे सामान्य व्यावसायिक गतिविधि मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मरीज को स्पष्ट बिल, मूल्य का उचित विवरण और इलाज से संबंधित खर्चों की पारदर्शी जानकारी मिलनी चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण की भूमिका और दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दवाओं के मूल्य निर्धारण और आवश्यक औषधियों की उपलब्धता में सरकार की भूमिका निर्णायक होती है। जब बाजार में जीवनरक्षक दवाओं के दाम आम नागरिक की पहुंच से बाहर होने लगें, तब केवल नीतियां बनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी समीक्षा होनी चाहिए।

भारत में आवश्यक दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश और राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इनके माध्यम से निर्धारित दवाओं के मूल्य पर नियंत्रण रखने का प्रयास किया जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या निगरानी व्यवस्था मरीजों तक पर्याप्त राहत पहुंचा पा रही है? क्या मूल्य नियंत्रण के दायरे से बाहर रहने वाली दवाओं और अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उत्पादों की कीमतों पर पर्याप्त पारदर्शिता है? क्या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई होती है? इन सवालों के जवाब केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि मरीजों के वास्तविक अनुभवों और स्वतंत्र जांच से भी मिलने चाहिए।

अदालत में सलाइन ड्रिप, हार्ट स्टेंट और एंटीबायोटिक जैसी वस्तुओं की कीमतों के उदाहरण भी सामने आए। बताया गया कि लगभग 11 रुपये की सलाइन ड्रिप 270 रुपये में, पांच हजार रुपये का हार्ट स्टेंट 25 हजार रुपये से अधिक में और 28 रुपये की एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन 70 रुपये से अधिक में बेची जा रही है। इन आंकड़ों को संबंधित उत्पादों, उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, कर, आपूर्ति और बिक्री के स्तर के संदर्भ में सत्यापित करना जरूरी है। फिर भी यदि समान उत्पादों की खरीद और बिक्री कीमतों में इतना बड़ा अंतर पाया जाता है, तो नियामक संस्थाओं को उसका स्पष्ट कारण सामने रखना चाहिए।

विशेष रूप से हार्ट स्टेंट और कैंसर के उपचार में उपयोग होने वाली दवाओं के मामले में मूल्य पारदर्शिता का महत्व और बढ़ जाता है। मरीज अक्सर चिकित्सक की सलाह पर निर्भर होता है और उसे बाजार में विकल्पों की तुलना करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। ऐसे में उसकी मजबूरी का लाभ उठाने की किसी भी संभावना को रोकना सरकार, अस्पताल प्रशासन और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है।

दवा उद्योग अनुसंधान, नई दवाओं के विकास, उत्पादन और वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंपनियों को उचित लाभ कमाने का अधिकार है, लेकिन जीवनरक्षक दवाओं का बाजार सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं के बाजार से अलग है। यहां ग्राहक के पास कई बार खरीद टालने या सस्ता विकल्प चुनने की स्वतंत्रता नहीं होती। गंभीर बीमारी में दवा का विकल्प सीमित हो सकता है और उपचार में देरी जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र में बाजार की शक्तियों के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और प्रभावी सरकारी नियमन का संतुलन आवश्यक है।

केंद्र सरकार की ओर से यह दलील दी गई कि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया के कई देशों की तुलना में कम हैं। अंतरराष्ट्रीय तुलना अपने स्थान पर उपयोगी हो सकती है, लेकिन भारतीय मरीज की आर्थिक स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसी दवा का दूसरे देश की तुलना में सस्ता होना अपने आप में इस बात का प्रमाण नहीं है कि उसकी कीमत हर भारतीय परिवार की पहुंच में है। असली कसौटी यह होनी चाहिए कि मरीज को आवश्यक उपचार कितने खर्च में, कितनी आसानी से और कितनी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध हो रहा है।

सरकार को दवाओं की कीमतों और अस्पतालों में होने वाली वसूली की नियमित जांच के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। अस्पतालों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद कीमत, मरीज से वसूली गई कीमत तथा सेवा शुल्क का स्पष्ट विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं की सूची और मूल्य नियंत्रण की समीक्षा समय-समय पर होनी चाहिए। जहां असामान्य मूल्य अंतर सामने आए, वहां निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही, मरीजों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और अनुचित वसूली पाए जाने पर उचित कार्रवाई की व्यवस्था भी मजबूत होनी चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय की चिंता का वास्तविक महत्व तभी सिद्ध होगा, जब उससे व्यवस्था में ठोस सुधार का रास्ता खुले। केवल टिप्पणियों से मरीजों का आर्थिक बोझ कम नहीं होगा। इसके लिए सरकार, दवा कंपनियों, अस्पतालों और नियामक संस्थाओं को जवाबदेह बनाना होगा।

लोककल्याणकारी व्यवस्था की पहचान केवल अस्पतालों की संख्या या चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से नहीं होती, बल्कि इससे होती है कि संकट की घड़ी में आम नागरिक को कितना सहारा मिलता है। दवाओं की कीमतें तय करने और उनकी बिक्री पर निगरानी रखने वाली व्यवस्था का उद्देश्य मरीजों को राहत देना होना चाहिए। जीवनरक्षक दवाओं के मामले में पारदर्शिता, उचित मूल्य और जवाबदेही कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि जनहित की अनिवार्य शर्तें हैं। आखिरकार, किसी भी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह जीवन बचाने में कितनी सहायक है, न कि बीमारी से जूझ रहे परिवारों पर कितना आर्थिक बोझ डालती है।

केरल की वृद्ध संरक्षण पहल से जगेगी नई चेतना

योगेश कुमार गोयल

आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी।

भारत की संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। यहाँ कहा गया है-'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव।' जिस देश में माता-पिता के चरणों में स्वर्ग देखने की परंपरा रही हो, उसी देश में यदि वृद्धावस्था में माता-पिता अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान, अकेलेपन और असुरक्षा का दंश झेलने को विवश हों, तो यह केवल पारिवारिक विघटन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है। जिस बुजुर्ग ने अपनी संतान के भविष्य के लिए वर्तमान को खपा दिया, यदि उसी संतान के पास उसके बुढ़ापे के लिए समय, संवेदना और स्नेह न बचे, तो विकास की चमक के बीच मानवीय मूल्यों का अंधेरा साफ दिखाई देता है। ऐसे समय में केरल विधानसभा द्वारा अक्टूबर 2026 में वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित व्यापक विधेयक पारित किया जाना एक आशाजनक पहल है। यह कानून की किताब में जुड़ा एक नया अध्याय भर नहीं, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का नया सूर्योदय बनने की क्षमता रखता है। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की संख्या लगभग 15 करोड़ बताई जा रही है। अनुमान है कि यह आबादी 2036 तक लगभग 23 करोड़ और 2050 तक 34 करोड़ से अधिक हो सकती है। यह बदलती जनसांख्यिकी हमें चेतावनी भी देती है और अवसर भी। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं ने मनुष्य की आयु बढ़ाई है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हमने जीवन की बढ़ती अवधि को गरिमापूर्ण बनाने की तैयारी भी की है? सिर्फ लंबी उम्र उपलब्धि नहीं है, उस उम्र में सम्मान, आत्मनिर्भरता और अपनापन बनाए रखना ही वास्तविक उपलब्धि है।

केरल की इस पहल का महत्त्व इसलिए बढ़ जाता है कि यह बुजुर्गों की समस्याओं को केवल परिवार की निजी जिम्मेदारी मानकर छोड़ देने के बजाय सामाजिक और संस्थागत दायित्व के रूप में देखती है। विधेयक में वरिष्ठ नागरिकों के साथ शारीरिक एवं मानसिक दुर्व्यवहार, क्रूरता और उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें बेसहारा छोड़ने जैसे कृत्यों के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। इसके साथ संरक्षण इकाइयों, देखभाल केंद्रों के नियमन, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण और शिकायतों के निवारण जैसी व्यवस्थाओं पर जोर दिया गया है। साइबर धोखाधड़ी से बचाव तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों के अधिकार जैसे विषयों को स्थान देना भी बदलते समय की जरूरतों को समझने का संकेत है। इस पहल का मूल संदेश स्पष्ट है-बुजुर्गों की सेवा सद्भावना का विषय अवश्य है, लेकिन उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना सामाजिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व भी है। इस विधेयक की सबसे संवेदनशील अवधारणा है-'एजिंग इन प्लेस', अर्थात बुजुर्गों को यथासंभव उनके अपने घर और परिचित परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर देना। वृद्धाश्रमों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन माता-पिता के लिए घर का एक कमरा भी तब अधिक मूल्यवान होता है, जब उसमें अपनत्व की गर्माहट हो। बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और बिस्तर नहीं चाहिए, उन्हें बातचीत करने वाला साथी, उनकी बात सुनने वाला कान, उनके अनुभवों को समझने वाला मन और उनके अस्तित्व को स्वीकार करने वाला परिवार चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर कई बार आर्थिक अभाव से अधिक भावनात्मक अभाव पीड़ा देता है। जिस घर में बुजुर्गों की आवाज अनसुनी हो जाती है, वहाँ दीवारें तो रहती हैं, लेकिन परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है।

आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी। आज उसी अनुभव-संपदा को कई बार अनुपयोगी समझ लिया जाता है। संपत्ति के लिए माता-पिता पर दबाव डालना, उनकी जमा-पूँजी पर अनुचित अधिकार जमाना, बीमारी में उन्हें अकेला छोड़ देना अथवा उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचाना सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। यह कैसी विडंबना है कि जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, उन्हीं हाथों को बुढ़ापे में सहारे के लिए तरसना पड़े! केरल का विधेयक इस समस्या के समाधान की दिशा में व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें बेसहारा छोड़ने पर तीन वर्ष तक के कारावास तथा 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। देखभाल केंद्रों के पंजीकरण, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण, शिकायतों के निवारण और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएँ भी प्रस्तावित हैं। साथ ही, वरिष्ठ नागरिकों के चिकित्सा संबंधी पूर्वनिर्धारित निर्णयों, कानूनी सहायता और डिजिटल सेवाओं तक पहुँच को महत्त्व दिया गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा ने यह विधेयक 26 अक्टूबर 2026 को सर्वसम्मति से पारित किया है, इसे कानून के रूप में लागू होने के लिए राज्यपाल की स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

इस पहल का एक दूरदर्शी पक्ष 'सिल्वर इकोनॉमी' की अवधारणा भी है। बुजुर्गों को केवल सहायता प्राप्त करने वाले नागरिकों के रूप में नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके अनुभव, ज्ञान, कौशल और जीवन-दृष्टि का उपयोग शिक्षा, परामर्श, सामाजिक सेवा, उद्यमिता और सामुदायिक विकास में किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति का अर्थ प्रतिभा की समाप्ति नहीं, बल्कि जीवन की दूसरी पारी का आरंभ भी हो सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज उन्हें बोझ नहीं, अपनी अमूल्य पूँजी माने। पेड़ जब पुराना होता है, तब भी उसकी छाया कम मूल्यवान नहीं हो जाती। इसी तरह अनुभव की परिपक्वता किसी भी राष्ट्र की विकास-यात्रा को दिशा दे सकती है। अब समय है कि केंद्र सरकार के साथ दूसरे राज्य भी केरल की इस पहल से प्रेरणा लें। केंद्र के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा हो तथा आवश्यकतानुसार उसे और सशक्त बनाया जाए। राज्यों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित संरक्षण इकाइयाँ, सुलभ शिकायत व्यवस्था, निःशुल्क कानूनी सहायता, घर पर स्वास्थ्य सेवाएँ और सुरक्षित सामुदायिक केंद्र विकसित किए जाएँ। पुलिस, अस्पतालों, बैंकों और स्थानीय निकायों में बुजुर्गों की समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था हो। साथ ही, विद्यालयों और महाविद्यालयों में पीढ़ियों के बीच संवाद तथा परिवारों में संवेदनशीलता विकसित करने के अभियान चलाए जाएँ। कानून अपराध होने के बाद दंड दे सकता है, लेकिन संस्कार अपराध की नौबत आने से पहले ही रोक सकते हैं।

अंततः बुजुर्गों की सुरक्षा का प्रश्न केवल एक आयु-वर्ग के कल्याण का विषय नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा का निर्धारक है। आज जो युवा हैं, वे कल वरिष्ठ नागरिक होंगे। इसलिए बुजुर्गों के लिए बनाई गई संवेदनशील व्यवस्था वास्तव में हमारे अपने भविष्य की सुरक्षा है। विकसित भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक समृद्धि के साथ मानवीय संवेदना, तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक चेतना और आधुनिक जीवन के साथ पारिवारिक आत्मीयता भी विकसित होगी। केरल की पहल एक नई रोशनी का संकेत है, लेकिन इस रोशनी को देश के प्रत्येक घर तक पहुँचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें ऐसा भारत बनाना है, जहाँ वृद्धावस्था विवशता नहीं, सम्मान का काल होय जहाँ बुजुर्गों को अपने ही घर में पराया न होना पड़ेय और जहाँ उनकी आँखें संतान की प्रतीक्षा में नहीं, उसके प्रेम और उपस्थिति में चमकें। आखिर जिस समाज की जड़ें अपने बुजुर्गों के अनुभवों से जुड़ी रहती हैं, उसकी विकास-यात्रा के तूफानों में भी स्थिर रहने की संभावना अधिक होती है। यही सच्चे अर्थों में संस्कारित, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सिद्धबली पार्किंग तक पहुंचा हाथियों का झुंड, रात में बढ़ी वन्यजीवों की हलचल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जंगल से सटे आबादी वाले इलाकों में जंगली हाथियों की आवाजाही लगातार बनी हुई है। बुधवार रात हाथियों का एक झुंड कोटद्वार में सिद्धबली मंदिर के समीप स्थित कार पार्किंग स्थल तक पहुंच गया। अचानक सड़क और पार्किंग के आसपास हाथियों की मौजूदगी से क्षेत्र में वन्यजीवों की बढ़ती सक्रियता एक बार फिर चर्चा में आ गई। इस दौरान पास के पुल पर मौजूद लोगों ने हाथियों का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया।

सिद्धबली के समीप पहुंचा हाथी

जानकारी के अनुसार, सिद्धबली-सनेह मार्ग का बड़ा हिस्सा जंगल से सटा हुआ है। इस कारण यहां हाथियों सहित अन्य वन्यजीवों की आवाजाही अक्सर देखने को मिलती है। बुधवार रात करीब दस बजे हाथियों का झुंड सड़क पर पहुंचा और घूमते हुए सिद्धबली कार पार्किंग तक जा पहुंचा। हाथी करीब आधे घंटे तक आसपास विचरण करते रहे। इस घटना ने रात के समय इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जंगल से सटे इस मार्ग पर रात के समय वन्यजीवों की सक्रियता को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने चाहिए। लोगों ने वन विभाग से नियमित गश्त बढ़ाने तथा नगर निगम से मार्ग पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग की है, ताकि अंधेरे में आवागमन करने वालों को सतर्क रहने में मदद मिल सके। सिद्धबली-सनेह मार्ग पर हाथियों के अलावा गुलदार की सक्रियता भी स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। आसपास के होटल और रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरों में गुलदार को कई बार सड़क पर घूमते हुए देखा जा चुका है। क्षेत्र में पालतू कुत्तों पर गुलदार के हमलों की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। बताया जाता है कि कुछ माह पहले सनेह क्षेत्र में गुलदार ने एक बुजुर्ग और जंगल में घास काटने गई महिला पर हमला किया था। लगातार सामने आ रही वन्यजीवों की गतिविधियों से क्षेत्रवासियों में भय का माहौल है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से वन्यजीवों की निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा के प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। जंगल से सटे मार्गों पर हाथियों और गुलदार की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए वन विभाग, नगर निगम और संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करना जरूरी हो गया है।

खस्ताहाल सड़क से आवागमन जोखिम भरा, राहगीर परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर के घसिया महादेव से चौरास पुल तक सड़क की खस्ताहाल स्थिति को ठीक करने की मांग विवि छात्रसंघ अध्यक्ष हिमांशु भंडारी ने लोनिवि के अधिशासी अभियंता से की है। उन्होंने कहा कि तीव्र ढलान वाले इस मार्ग पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बने हैं, जिससे आवागमन जोखिमभरा होने के साथ ही छात्रों और स्थानीय लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कहा कि इस मार्ग से गढ़वाल विवि के चौरास परिसर में पढ़ने वाले छात्र, शिक्षक व कर्मचारी सहित चौरास क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में आवाजाही करते हैं, मार्ग की स्थिति ठीक न होने से उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी विभागीय अधिकारियों के समक्ष समस्या रखी गई, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई।

कोटद्वार महाविद्यालय में रोजगार मेला लगाने की मांग

कोटद्वार में प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपते अभाविप के कार्यकर्ता व पदाधिकारी।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में रोजगार मेला आयोजित करने की मांग उठाई है। इस संबंध में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि जिला सेवायोजन विभाग और संबंधित विभागों के सहयोग से महाविद्यालय परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया जाना चाहिए। इससे युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। साथ ही क्षेत्र के युवाओं को नौकरी की तलाश में दूसरे शहरों की ओर पलायन करने की मजबूरी से भी राहत मिल सकती है। अभाविप कार्यकर्ताओं ने कहा कि स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण विषय है। इसके लिए प्रशासन और संबंधित विभागों को गंभीरता से पहल करनी चाहिए, ताकि युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। इस मौके पर छात्रसंघ उपाध्यक्ष क्षितिज अग्रवाल, अनिकेत दुगलचा, कॉलेज इकाई अध्यक्ष रोहन राणा, अनुराग थापा, अतिन रावत और शौर्य बिश्नोई सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शहर को पालीथिन मुक्त बनाने के लिए किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रोटरी क्लब व इंट्रेक्ट क्लब के तत्वावधान में मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में इको ब्रिक परियोजना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं को शहर को पालीथीन मुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी क्लब की अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता व प्रधानाचार्य चंदन सिंह नकोटी ने किया। छात्र-छात्राओं को इको ब्रिक्स परियोजना का परिचय करवाया गया, जिसमें प्लास्टिक की बोतलों में इधर-उधर बिखरी पालीथिन थैलियां व अन्य प्लास्टिक रैपर भर कर तैयार की गई इको ब्रिक्स का उदाहरण प्रस्तुत किया गया। छात्र-छात्राओं को समझाया गया कि अनुपयोगी प्लास्टिक को इधर-उधर फेंकने के बजाए उसका उचित उपयोग करने की दिशा में प्रयास किए जाएं, ताकि शहर को पालीथीन मुक्त बनाया जा सके। रोटरी क्लब की अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र को पालीथिन मुक्त बनाना तथा प्लास्टिक कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें परिसर में इधर-उधर बिखरे कूड़ा-करकट को एकत्र कर उसे निस्तारित किया गया। इस मौके पर ममता रावत, डीपी सिंह, ऊषा अग्रवाल, वीना रावत, अशोक अग्रवाल, गोपाल बंसल, धीरजधर बछुवाण, मनीष अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, शरत चंद गुप्ता मौजूद रहे।

दो दिवसीय क्रीड़ा समारोह पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय क्रीड़ा समारोह पुरस्कार वितरण के साथ संपन हुआ राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम गाड़ीघाट में संपन्न हुए समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी ने की उन्होंने आपने उद्बोधन में सभी छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की दो दिवसीय वार्षिक कीड़ा समारोह में 15 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभा किया प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ छात्र वर्ग में दीपांशु ने प्रथम स्थान तथा अतुल रावत ने द्वितीय अखिल रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया छात्रा वर्ग में सोनिया प्रथम आशि द्वितीय साक्षी तृतीय स्थान पर रही भाला फेंक प्रतियोगिता में भावना प्रथम आवर्ती द्वितीय और काजल थापानी तृतीय स्थान प्राप्त किया भाला फेंक प्रतियोगिता पुरुष वर्ग में हर्ष कुमार प्रथम सुनील साहनी की द्वितीय कपिल कुमार तृतीय स्थान पर रहे विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुई ओवरऑल प्रभु महतो महाविद्यालय चैंपियन बने छात्र वर्ग में सोनिया महाविद्यालय चैंपियन बनी सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्रा अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता हरिद्वार में प्रतिभा करेंगे क्रीड़ा समारोह में प्रमुख रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डीएस नेगी ने महाविद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी डॉ हीरा सिंह डुंगरियाल को कीड़ा समारोह सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सराहना की। इस अवसर पर महाविद्यालय केप्रो निरंजन शर्मा, प्रो एससी नौटियाल, प्रो आशा देवी, प्रो प्रीति रानी,प्रो ज्योति खरे, प्रो इंदु तिवारी, डॉ आरपी द्विवेदी, डॉ अरविंद अवस्थी, डॉ दीपक कुमार पांडे, डॉ सूरत सिंह बलुड़ी, डॉ मनीष डंगवाल, डॉ संदीप कुमार , डॉ मिनाक्षी वर्मा, डॉ जितेंद्र सिंह, डॉ संदीप किमोठी, डॉ दयाकिशन जोशी, डॉ ऐश्वर्या राणा , डॉ वर्षा सिंह, डॉ विजय लक्ष्मी , डॉ हिना नौटियाल ,डॉ पवन भट्ट डॉ गीता सहित समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

सड़क का अधूरा निर्माण कार्य पूरा होने की उम्मीद जगी

श्रीनगर गढ़वाल : खंडाह-बछेली-अमधार-धरीगांव सड़क का अधूरा निर्माण जल्द पूरा होने की उम्मीद जगी है। करीब छह किमी. लंबी इस सड़क पर अमधार से धरीगांव के बीच करीब 500 मीटर हिस्सा अभी निर्माण की बाट जोह रहा है। अब लोनिवि ने इसके निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा है। विभाग को नवंबर तक स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। सड़क का निर्माण पूरा नही होने से धरीगांव, ढिकालगांव और आसपास के ग्रामीणों को खंडाह अथवा पौड़ी जाने के लिए श्रीनगर या सुमाड़ी होकर लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। संपर्क सड़क का निर्माण पूरा होने से ग्रामीणों को अतिरिक्त दूरी भी तय नहीं करनी पड़ेगी। सड़क निर्माण से बछेली, अमधार, धरीगांव और आसपास के गांवों को आवागमन की और बेहतर सुविधा मिल सकेगी। लोनिवि के अधिशासी अभियंता किशोर कुमार ने बताया कि छूटे हुए करीब 500 मीटर हिस्से के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

30 अक्टूबर से मल्ला महल में सजेगा अल्मोड़ा लिट्रेचर फेस्टिवल

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा लिट्रेचर फेस्टिवल का चौथा संस्करण 30 अक्तूबर से एक नवंबर तक मल्ला महल में आयोजित होगा। ग्रीन हिल्स ट्रस्ट की ओर से आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव में अभिनेता अनंत विजय जोशी, नृत्यांगना मालती श्याम और पत्रकार कुलदीप मिश्रा सहित कई हस्तियां शामिल होंगी। महोत्सव में साहित्य, सिनेमा, संगीत, पत्रकारिता, नृत्य और कला से जुड़े 40 से अधिक सत्र होंगे। हिंदी साहित्यकार शैलेश मटियानी के योगदान पर विशेष चर्चा की जाएगी। हिमालयी पारिस्थितिकी, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन पर भी विमर्श होगा। इतिहासकार लोकेश ओहरी और छायाकार जयमित्र बिष्ट के नेतृत्व में हेरिटेज वॉक आयोजित होंगे। युवाओं के लिए ओपन माइक, साइफर और रचनात्मक कार्यशालाएं होंगी।

संक्षिप्त समाचार

प्रगणकों व सुपरवाइजरों को दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : तहसील सभागार में जनगणना 2027 के तहत चल रहे प्रगणकों व सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण सत्र के दूसरे दिन प्रगणकों व सुपरवाइजरों को उनके कर्तव्यों की जानकारी दी गई। साथ ही जनसंख्या गणना के दौरान पूछे जाने वाले विभिन्न प्रश्नों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

प्रशिक्षण के दूसरे चरण के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात प्रगणकों व सुपरवाइजरों को फील्ड ट्रेनर्स के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। फील्ड ट्रेनर जूनियर इंजीनियर शकू रावत व शिक्षक उमेश कुमार वर्मा ने जनगणना के दौरान निवासरत परिवारों के सभी सदस्यों के माता-पिता का विवरण, दिव्यांगता, मातृभाषा, साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक कार्य की श्रेणी और उसकी प्रकृति, कर्मी का वर्ग अथवा गैर आर्थिक क्रिया कलाप, जन्मस्थान, पिछले प्रवास का स्थान, प्रवास का कारण व अवधि, स्थायी पता आदि की जानकारी प्राप्त करने के तरीके साझा किए। साथ ही प्रोजेक्टर के माध्यम से समझाया गया। इसके अलावा जनसंख्या मोबाइल एप में प्राप्त आंकड़े दर्ज करने का अभ्यास करवाया गया। इस मौके पर प्रभारी जनगणना अधिकारी राजेंद्र चंद्र सनवाल, कानूनगो दीपक वेदवाल, देवकी नंदन नौटियाल, शिवानी, दीपक सिंह नेगी, किशोर बिडालिया मौजूद रहे।

भजन सिंह 'सिंह' की रचनाओं से युवा पीढ़ी को परिचित कराना जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय में हिंदी साहित्यकार व प्रसिद्ध गढ़वाली भजन सिंह 'सिंह' की जयंती पर विचार गोष्ठी और श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। साहित्यकारों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर हिन्दी-गढ़वाली साहित्य में उनके योगदान को याद किया। हिंदी साहित्य में अमृतवर्षा और मां खंडकाव्य के जरिए उन्होंने सामाजिक चेतना और कुरीतियों के खिलाफ संदेश दिया। लोक गायक अनिल बिष्ट ने कहा कि भजन सिंह 'सिंह' की रचनाओं से युवा पीढ़ी को परिचित कराना जरूरी है।

पद्मश्री डॉ. यशवंत सिंह कठैच ने कहा कि साहित्य सृजन के क्षेत्र में भजन सिंह 'सिंह' का योगदान अमूल्य और अविस्मरणीय है। कहा कि सरकार की ओर से वर्ष 2022 में उनके नाम पर पुरस्कार घोषित किया जाना स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने नई पीढ़ी से उनके साहित्य का अध्ययन करने का आह्वान किया। डॉ. कठैच ने कहा कि 29 अक्तूबर 1905 को कोट ब्लॉक के कोटसाड़ा गांव में जन्मे भजन सिंह 'सिंह' ने गढ़वाल राइफल्स में सेवाएं देने के साथ साहित्य सृजन भी किया। उनकी प्रमुख रचनाओं में सिंहनाद और सिंह सतसई शामिल हैं। इस अवसर पर केशर सिंह असवाल, मोहन सिंह रावत, अद्वैत बहुगुणा आदि मौजूद रहे।

अलकनंदा नदी में बहे छात्र की तलाश जारी

श्रीनगर गढ़वाल : अलकनंदा नदी में बहे गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीए प्रथम वर्ष के छात्र अक्षत वर्मा का दूसरे दिन भी कोई सुराग नही लग पाया। गुरूवार को आपदा राहत दल और जल पुलिस ने अल्केश्वर घाट से रवाना होकर घटना स्थल से कीर्तिनगर पुल तक अलकनंदा नदी में सर्च अभियान चलाया, लेकिन सफलता नही मिली। सुबह से हो रही बारिश और नदी का जल स्तर बढ़ने से तलाशी अभियान में दिक्कतें आईं। आपदा राहत दल ने अल्केश्वर घाट से रवाना होकर न्यू कमलेश्वर घाट के समीप घटनास्थल पर तलाश की। इसके बाद टीम ने नदी में आगे बढ़ते हुए कीर्तिनगर पुल तक सर्च अभियान चलाया। पूरे अभियान के दौरान छात्र की तलाश की गई, लेकिन उसका पता नही चल सका। नदी में बड़े-बड़े पत्थरों के बीच छात्र के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। बता दें कि बुधवार देर शाम न्यू कमलेश्वर घाट के समीप बोतल में पानी भरते समय सती मोहल्ला रुड़की निवासी अक्षत का पैर फिसल गया था और वह अलकनंदा के तेज बहाव में बह गया। मौके पर मौजूद उसके साथी ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नही हो सका। सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने तलाश शुरू की थी।

डिजिटल अरेस्ट से लेकर फर्जी लिंक तक, साइबर ठगों के हर पैतरे से रहें सावधान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लिंक और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली साइबर ठगी से बचाव के लिए पौड़ी पुलिस की ओर से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत कोटद्वार पुलिस ने कांवेंट पब्लिक स्कूल और लैंसडौन पुलिस ने राजकीय आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज, जयहरीखाल में विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी के तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

कोटद्वार में आयोजित जागरूकता गोष्ठी में पुलिस उपाधीक्षक अस्मिता ममगाईं ने कहा कि साइबर ठग लोगों को डराने, लालच देने और उनकी निजी जानकारी हासिल करने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर डराकर ठगी करना, लॉटरी और केबीसी के नाम पर पैसे ऐंठना, ओएलएक्स के माध्यम से धोखाधड़ी करना और रिश्तेदार बनकर फोन कॉल या वाट्सएप के जरिए रुपये मांगना साइबर ठगी के प्रमुख तरीके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अनजान व्यक्तियों की ओर से भेजे गए संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने और एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचने की सलाह दी। साथ ही ऑनलाइन गेमिंग और संदिग्ध मोबाइल एप के इस्तेमाल में सावधानी बरतने को कहा। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दुरुपयोग और सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी के प्रति भी सतर्क किया। कार्यक्रम में साइबर सेल कोटद्वार के प्रभारी उपनिरीक्षक कमलेश शर्मा ने भी विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी अनजान व्यक्ति की पहचान पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने या अनजान एप डाउनलोड करने से व्यक्तिगत जानकारी और बैंक खातों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इसी क्रम में लैंसडौन कोतवाली पुलिस ने राजकीय आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज, जयहरीखाल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्क रहने और किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी या अन्य निजी विवरण साझा नहीं करने की सलाह दी। साथ ही साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के प्रति भी जागरूक किया।

जीजीआईसी कोटद्वार ने हैप्पी होम स्कूल को हराकर जीता फाइनल मुकाबला

कोटद्वार में आयोजित प्रतियोगिता की विजेता टीम को सम्मानित करते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : खेलो इंडिया के तहत आयोजित अस्मिता फुटबाल लीग में जीजीआईसी कोटद्वार की बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। शशिधर भट्ट स्पोर्ट्स स्टेडियम, गाड़ीघाट में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता के फाइनल में जीजीआईसी कोटद्वार ने हैप्पी होम स्कूल को 2-0 से शिकस्त दी।

जिला फुटबाल संघ पौड़ी की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न विद्यालयों की आठ क्लब टीमों ने प्रतिभाग किया। नॉक आउट आधार पर खेली गई प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। फाइनल मुकाबले में जीजीआईसी कोटद्वार की टीम ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री अनीता आर्या ने विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी, मेडल और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचने और खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ ही अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने योग को भी दैनिक जीवन में शामिल करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। आयोजन में फुटबाल कोच महेंद्र रावत, शिवा चौधरी, सतीश मौर्य, सिद्धार्थ रावत और तरुण ईस्टवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा की तैयारियां शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा की ओर से 31 अक्तूबर को श्रीनगर में आयोजित होने वाली गढ़वाल लोकसभा स्तरीय 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। गुरूवार को कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने श्रीनगर के रामलीला मैदान में बैठक कर कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की।

डॉ. धन सिंह रावत ने रामलीला मैदान का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ मंच, आयोजन स्थल तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। खिर्सू में भी पदयात्रा के सफल आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में पदयात्रा की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा कार्यक्रम को प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल, जिला उपाध्यक्ष गिरीश पैन्यूली, पूर्व जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र रावत, लखपत भंडारी, जिला महामंत्री गणेश भट्ट, पार्षद दिनेश पटवाल, शुभम प्रभाकर, झाबर सिंह रावत, सीमा भंडारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष यशीष रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, विकासखण्ड नैनीडांडा, पौड़ी गढ़वाल।

पत्रांक 993/ लेखा/निवि0सू0/ राज्य वित्त/ 2026-27 दिनाक 28-10-2026

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड नैनीडांडा पौड़ी गढ़वाल में राज्य वित्त योजना 2026-27 के अर्न्तगत निम्नलिखित कार्यों हेतु सरकारी/अर्धसरकारी विभागों में पंजीकृत अनुभवी फर्मों को दिनांक 11.11.2026 दिन (बुधवार) की सायं 03:00 बजे तक मुहरबन्द लिफाफे में निविदाये आमंत्रित की जाती है जो कि उसी दिन विकास खण्ड कार्यालय नैनीडांडा में उपस्थित निविदादाताओं व उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख सायं 3-30 बजे चयनित गठित समिति के द्वारा खाली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 10.11.2026 सायं 5.00 बजे तक विक्रय की जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम/स्थल का पूर्ण विवरण सहित	निविदा धरोहर राशि	निविदा मूल्य (18 प्रति0 जी0एस0टी0 सहित)	कार्य पूर्ण किये जाने की अवधि	निविदा की वैधता
1	क्षेत्र पंचायत संगलिया बिचला में मन्दिर जीर्णोद्धार निर्माण	12000.00	500+GST	45 दिन	45 दिन
2	क्षेत्र पंचायत संगलिया बिचला में पुराने पंचायत भवन मरम्मत कार्य एवं रंग रोगन	9000.00	500+GST	45 दिन	45 दिन
3	जनता इण्टर कॉलेज नैनीडांडा के मेन गेट पर इण्टर लॉकिंग	12000.00	500+GST	45 दिन	45 दिन
4	बसनोली में व्यूपांइट निर्माण कार्य	10500.00	500+GST	45 दिन	45 दिन

नियम एवं शर्ते–

1– निविदा प्रस्तुत करते समय ठेकेदार को पंजीकरण प्रमाण-पत्र एवं धरोहर धनराशि (राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ0डी0आर0/ डाकघर की पासबुक / किसान विकास पत्र / राष्ट्रीय बचत पत्र / 100 रू0 का स्टाप पेपर, सहित जोकि अधोहस्ताक्षरी के नाम बंधक होगी, संलग्न करना आवश्यक होगा।
2– निर्धारित अवधि के उपरान्त कोई निविदा प्राप्त नहीं की जायेगी।
3– समस्त कार्य निर्धारित मानको एवं कनिष्ठ अभियन्ता के निर्देशानुसार समयान्तर्गत पूर्ण करने होगे।
4– लिफाफे पर कार्य का नाम लिखना अनिवार्य होगा।
5– निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 रु0 का उत्तराखण्ड राज्य से निर्गत नॉन- ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर, रू0 1.00 के रसीदी टिकट के साथ हस्ताक्षरयुक्त होना अनिवार्य है।
6– शेष शर्ते निविदा प्रपत्र अनुसार के होगी।
7– अधोहस्ताक्षरी बिना कारण बताये निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार है।

खण्ड
विकास अधिकारी
विकासखण्ड नैनीडांडा पौड़ी गढ़वाल।

हम अपने कर्मचारियों को महत्व देते हैं
हम अपने पेंशनभोगियों का ध्यान रखते हैं

उत्तर रेलवे

पेंशनभोगी सेवा केंद्र,
मुख्यालय कार्यालय
बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली
में
1 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक
राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र अभियान 5.0 का आयोजन कर रहा है।

बैंकों में जीवन प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने में पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों की सहायता के लिए

सामान्य आवश्यकताएँ:–

- **आधार संख्या** : सुरक्षित पहचान सत्यापन के लिए वैध आधार संख्या अनिवार्य है।
- **मोबाइल नंबर:** ओटीपी प्राप्त करने सहित विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए मोबाइल नंबर होना आवश्यक है।
- **पेंशन का विवरण:** पेंशनभोगियों को अपने पेंशन वितरण बैंक खाते की जानकारी और अनुमोदनकर्ता प्राधिकारी का नाम (पीपीओ की प्रतिलिपि) तैयार रखना चाहिए।
- **पासपोर्ट साइज फोटो:** प्रस्तुत करने की विधि के आधार पर एक रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो होना अपेक्षित है।
- **बैंक खाता विवरण:** आपके बैंक खाते की पासबुक जिसमें आईएफएस कोड दर्शाया गया हो, की प्रतिलिपि होना अपेक्षित है।

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा... हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
3777/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पलायन के दौर में भी जीवंत है रामलीला की परंपरा

नई पीढ़ी बखूबी आगे बढ़ा रही सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक तकनीक से हाईटेक हुआ मंचन

जगमोहन डांगी। पौड़ी : देवभूमि उत्तराखंड के पहाड़ों में इन दिनों रामलीलाओं के मंचन का दौर शुरू हो गया है। पलायन के चलते पर्वतीय क्षेत्रों के कई गांवों में रामलीला मंचन की परंपरा बंद हो चुकी है, लेकिन नगरों और कस्बों में आज भी यह सांस्कृतिक विरासत जीवंत है। दूसरी और तीसरी पीढ़ी के लोग इन परंपराओं को बखूबी आगे बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में सतपुली बाजार की प्रसिद्ध रामलीला का आयोजन नगर पंचायत सतपुली में किया जा रहा है। यहां रामलीला मंचन को लेकर युवाओं और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी के इस दौर में रामलीला का मंचन भी आधुनिक तकनीक से जुड़ गया है। बेहतर प्रकाश व्यवस्था और प्लेबैक ध्वनि जैसी सुविधाओं ने मंचन को आकर्षक बनाया है। वहीं, मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के बढ़ते चलन के बावजूद रामलीला देखने के लिए दर्शकों का उत्साह कम नहीं हुआ है।

नगर पंचायत सतपुली के पुराने मैदान में आयोजित रामलीला में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। नयार नदी के किनारे बसे सतपुली में रामलीला के आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। रामलीला कमेटी आयोजन को सफल बनाने के साथ ही क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने में अहम भूमिका निभा रही है। कमेटी के अध्यक्ष जगदंबा प्रसाद डंगवाल भी रामलीला के आयोजन और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने में सक्रिय हैं। रामलीला के मंचन में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान और रावण सहित विभिन्न पात्रों के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जीवंत किया जाता है। इसके जरिए लोगों को सत्य, त्याग, धर्म, मर्यादा और कर्तव्य के मार्ग पर चलने का संदेश मिलता है। नगर पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र चौहान, निर्देशक होशियार सिंह बिष्ट, अचलानंद डोबरियाल, सत्यनारायण बेदी, व्यापार मंडल अध्यक्ष सतपुली जयदीप नेगी आदि रामलीला के मंचन में सहयोग कर रहे है।

पुलिस महानिदेशक ने नवर्निमित थाना का किया निरीक्षण

कर्णप्रयाग। अपर पुलिस महानिदेशक डॉ. वी मुरुगेशन ने गैरसैंण में नवनिर्मित थाना एवं फायर यूनिट भवनों का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस थाने की मूलभूत सुविधाओं, अभिलेखों एवं फायर यूनिट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गैरसैंण में पुलिसिंग एवं अग्निशमन सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में नवनिर्मित पुलिस थाना भवन एवं फायर यूनिट भवन तैयार किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस थाना भवन में पुलिसकर्मियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, कार्यालय व्यवस्था एवं विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन किया। साथ ही थाने की कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने नवनिर्मित फायर यूनिट भवन का निरीक्षण कर अग्निशमन सेवाओं से संबंधित उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं कार्यशील रखी जाएं, ताकि आमजन को बेहतर पुलिसिंग के साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित अग्निशमन सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

अतिथि शिक्षक डॉ. दीप्ति सेमवाल को मिला यंग साइंटिस्ट अवार्ड

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) द्वारा हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) के भूगोल विभाग में अतिथि शिक्षक के रूप में कार्यरत डॉ. दीप्ति सेमवाल को यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह युवा शोधकर्ताओं, विशेषकर महिला वैज्ञानिकों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अनुसंधान करने और समाजोपयोगी समाधान विकसित करने के लिए भी प्रेरित करेगा। डॉ. सेमवाल को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पृथ्वी विज्ञान संकाय के अंतर्गत जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में उनके शोध विषय जैविक संसाधनों का स्थानिक वितरण एवं सामुदायिक सहभागिता पर उत्कृष्ट शोध प्रस्तुति के लिए प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि पृथ्वी विज्ञान संकाय के अंतर्गत भूगोल, भूविज्ञान, भू-आकृति विज्ञान, हिमनद भू-आकृति विज्ञान, भूभौतिकी सहित कई विषय सम्मिलित थे, जिसमें डॉ. दीप्ति सेमवाल को यह सम्मान प्राप्त हुआ है। डॉ. दीप्ति सेमवाल ने भूगोल विषय में अपनी पी.एच.डी. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय से बायोजियोग्राफी के क्षेत्र में बायोजियोग्राफिकल रेजियनलाइजेशन ऑफ गढ़वाल रीजन विषय पर प्रोफेसर मोहन सिंह पंवार के कुशल शोध निर्देशन में पूरी की है। दीप्ति सेमवाल रुद्रप्रयाग जिले के सुदूर गांव उथिंड की रहने वाली हैं।

बारिश से किसानों के चेहरे खिले

पुरोला। रवांई घाटी में हुई बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। लाल धान की कटाई पूरी होने के बाद अब किसान रबी की प्रमुख फसलों मटर और गेहूं की बुवाई की तैयारियों में जुट गए हैं। लंबे समय से बारिश नहीं होने के कारण खेतों की नमी खत्म हो गई थी और मिट्टी काफी सख्त हो गई थी, जिससे खेतों की जुताई करना किसानों के लिए चुनौती बना था, ऐसे में बारिश ने किसानों को राहत दी है। किसानों का कहना है कि बारिश के अभाव में खेतों की मिट्टी सूखकर कठोर हो गई थी, जिससे हल चलाने और खेतों को बुवाई के लिए तैयार करने में परेशानी हो रही थी। वहीं समय पर बुवाई नहीं होने की आशंका से किसान चिंतित थे। अब बारिश से खेतों में नमी लौटने के बाद जुताई और बुवाई का काम आसान होने की उम्मीद है।क्षेत्र के किसान नवीन गैरोला, हकूमत सिंह, ओमप्रकाश गैरोला, श्यालिक राम नौटियाल आदि ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से खेतों की नमी पूरी तरह समाप्त हो गई थी और जमीन काफी सख्त हो चुकी थी। इस कारण खेतों में हल चलाना मुश्किल हो रहा था। उन्होंने कहा कि ताजा बारिश से खेतों में नमी बढ़ी है, जिससे अब मटर और गेहूं की बुवाई समय पर करने में मदद मिलेगी।

राज्य स्थापना दिवस की तैयारियां समय से पूरी करें: डीएम

उत्तरकाशी।जिला सभागार में डीएम प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में राज्य स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। डीएम ने नौ नवम्बर को होने वाले मुख्य कार्यक्रम और नौ से 13 नवम्बर तक प्रस्तावित गतिविधियों की तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्थापना दिवस पर स्वच्छता अभियान, गंगा घाटों व धाम क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने, राज्य आंदोलनकारियों को सम्मानित करने के निर्देश दिए। इस दौरान स्कूलों में खेलकूद, वाद विवाद व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं, स्थानीय संस्कृति और व्यंजनों को बढ़ावा देने, उत्कृष्ट कार्मिकों के सम्मान, किसानों को योजनाओं की जानकारी देने, युवाओं के लिए करियर काउंसलिंग और दिव्यांगजनों को सहायता उपकरण उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई।

पशुपालकों को किया आधुनिक पशुपालन पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित

नौदानू में पशुपालक जागरूकता शिविर का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : पशुपालन विभाग की ओर से रिखणीखाल ब्लॉक के नौदानू में पशु जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान पशुओं के लिए आवश्यक औषधियां भी वितरित की गईं। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांव से 24 पशुपालकों ने प्रतिभाग किया।

शिविर में पशुपालकों को केंद्र और राज्य सरकार की स्वरोजगार परक एवं स्वावलंबन योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और संक्रामक रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, संतुलित आहार, नियमित टीकाकरण, बधियाकरण, कृमिनाशक दवापन, दवा स्नान और संक्रामक रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण के महत्व के बारे में बताया गया। क्षेत्र प्रसार अधिकारी हर्ष मोहन नेगी ने पशुपालकों की समस्याएं सुनकर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया।

उन्होंने पशुधन बीमा योजना की जानकारी देते हुए सभी पशुपालकों से अपने पशुओं का बीमा कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि पशुधन का स्वास्थ्य और उत्पादकता बेहतर बनाकर पशुपालन को आजीविका का एक सशक्त माध्यम बनाया जा सकता है। शिविर का उद्देश्य पशुपालकों को जागरुक कर पशुधन के स्वास्थ्य एवं उत्पादकता में सुधार लाना और पशुपालन को आजीविका के एक बेहतर साधन के रूप में विकसित करना रहा। इस अवसर पर पूर्व प्रधान लक्ष्मण सिंह, पूर्व बीडीसी विनोद रावत, लक्ष्मण सिंह आदि मौजूद रहे।

एक नजर

ज्योतिर्मठ में तीन जगह पार्किंग बनाने की योजना

ज्योतिर्मठ। नगर क्षेत्र में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए तीन जगह पार्किंग बनाने की योजना तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री के चारधाम यात्रा सलाहकार माधव प्रसाद सेमवाल ने लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) और ग्रामीण निर्माण विभाग को पार्किंग के लिए भूमि का सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। प्रस्ताव शासन को भेजकर बजट स्वीकृत कराने की तैयारी है।

ज्योतिर्मठ बदरीनाथ धाम की यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। यात्रा सीजन में यहां वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। वहीं, सर्दियों में औली समेत अन्य पर्यटन स्थलों पर जाने वाले पर्यटकों के वाहनों से भी जाम की स्थिति बनी रहती है। नगर में पर्याप्त पार्किंग नहीं होने से वाहन सड़कों पर खड़े होते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है।

माधव प्रसाद सेमवाल ने लोनिवि के अधिशासी अभियंता को नृसिंह मंदिर के पास बीकेटीसी और सरकारी भूमि पर पार्किंग बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। वहीं, ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को खंड विकास कार्यालय के पास बहुमंजिला पार्किंग के लिए भूमि का सर्वे कर प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए हैं।

मुकेश के परिवार को वासुदेव टैक्सी यूनियन ने दी 21 हजार की आर्थिक सहायता

जखोली। ब्लॉक के ग्राम जाखणी निवासी मुकेश लाल की आकस्मिक मृत्यु के बाद संकट से जूझ रहे उनके परिवार की मदद के लिए श्री वासुदेव टैक्सी यूनियन मयाली आगे आई है। 23 अक्टूबर को मुकेश लाल देहरादून से अपनी सूमो लेकर मयाली आ रहे थे। इसी दौरान मलेथा में हृदयाघात के कारण उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही दयनीय है। उनकी पत्नी बीमार हैं, जबकि दो बेटियों और दो नाबालिग बेटों के पालन–पोषण की जिम्मेदारी अब उन पर आ गई है। परिवार वर्तमान में जीर्ण–शीर्ण मकान में रहने को मजबूर है।श्री वासुदेव टैक्सी यूनियन मयाली के अध्यक्ष हरीश पुंडीर ने बताया कि यूनियन के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने मिलकर पीड़ित परिवार को 21 हजार रुपये की नकद आर्थिक सहायता प्रदान की है। इस अवसर पर यूनियन के उपाध्यक्ष प्रबल सिंह रौथाण, कोषाध्यक्ष राकेश बुटोला, सचिव दिगपाल सिंह नेगी, अनिल नेगी, सौरभ चौहान, जाखणी के पूर्व प्रधान संजय लाल, दर्शन रावत सहित यूनियन के सदस्य उपस्थित रहे।

बीपुरम से सटे इणियां में ही होगा मेडिकल कॉलेज का निर्माण

नई टिहरी। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि भागीरथी पुरम (बीपुरम) से सटे इणियां में ही मेडिकल कॉलेज का निर्माण होगा। गैरसैंण विधानसभा सत्र के दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी ने स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल से पूर्व प्रस्तावित जगह इणियां में मेडिकल कॉलेज के निर्माण की कार्रवाई आगे बढ़ाने को कहा है। उन्होंने बताया कि जल्द स्वास्थ्य सचिव भूमि का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। भाजपा कार्यालय में टिहरी विधायक उपाध्याय ने पत्रकारों से वार्ता में कहा कि जिला मुख्यालय में अतिरिक्त भूमि के नियमितीकरण को लेकर सीएम धामी की ओर से जिलाधिकारी को एक–एक प्रकरण सुनकर विस्थापितों और प्रभावितों के हितों में सकारात्मक निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम से मामले में शीघ्र इस संबंध में प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है। साथ ही इसके लिए गठित समिति को भी पैरवी करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि विस्थापितों के पानी–बिजली बिलों व पुनर्वास संबंधित प्रकरणों के संबंध में भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत के नेतृत्व एक शिष्टमंडल शीघ्र मुख्यमंत्री से मुलाकात करने देहरादून जाएगा।

उड़ती धूल से तीर्थयात्री परेशान

गोपेश्वर। बदरीनाथ हाईवे के भूस्खलन क्षेत्रों में उड़ती धूल से तीर्थयात्रियों के साथ ही स्थानीय लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहनों की आवाजाही बढ़ने पर इन क्षेत्रों में धूल के गुबार उठ रहे हैं, जिससे लोगों को दिक्कतें हो रही हैं।

बदरीनाथ हाईवे पर पागल नाला, भनेरपाणी, गडोरा, टंगणी, लंगसी, गुलाबकोटी और मारवाड़ी सहित कई भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों के गुजरने से धूल उड़ रही है। इससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

बंड विकास संगठन के पूर्व अध्यक्ष अतुल शाह का कहना है कि जिन भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में ट्रीटमेंट का कार्य पूरा हो चुका है, वहां डामरीकरण की प्रक्रिया भी शुरू की जानी चाहिए। इससे धूल उड़ने की समस्या से निजात मिलेगी और लोगों को राहत मिलेगी।

16 नवम्बर से शुरू होगा स्व–गणना कार्य, समय पर पूरी करें तैयारी

पीपलकोटी/गोपेश्वर। जनगणना के तहत 16 नवम्बर से स्व–गणना कार्य शुरू होगा। इसके बाद एक दिसम्बर से चार जनवरी तक जनगणना का कार्य किया जाएगा। संस्कृत शिक्षा, जनगणना एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग के सचिव दीपक कुमार ने अधिकारियों को जनगणना की तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। सचिव दीपक कुमार ने बृहस्पतिवार को पीपलकोटी में विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी विभागों में द्वितीय राजकीय भाषा संस्कृत में नाम पट्टिकाएं लगाने के निर्देश दिए। कहा कि यह प्रदेश की सांस्कृतिक और भाषायी विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।उन्होंने कृषि, उद्यान, मत्स्य पालन और पशुपालन की गतिविधियों को जोड़कर एकीकृत कृषि मॉडल विकसित करने की संभावनाओं पर काम करने को कहा। इससे किसानों की आय बढ़ाने और संसाधनों का बेहतर उपयोग करने में मदद मिलेगी।

बंगाण क्षेत्र के 30 गांवों में बीएसएनएल सेवा ठप

पुरोला। मोरी प्रखंड के बंगाण क्षेत्र में बीएसएनएल की संचार सेवा ठप होने से करीब 30 गांवों के उपभोक्ता परेशान हैं। दुचाणु, किरोली, थुनारा, झोटाड़ी और डगोली में स्थापित पांच टावर बंद पड़े होने से मोबाइल नेटवर्क प्रभावित हो गया है। इससे ग्रामीणों को जरूरी फोन कॉल करने, ऑनलाइन सेवाओं और अन्य संचार कार्यों में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।दुचाणु के पूर्व प्रधान एवं समाजसेवी सुरेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि बंगाण क्षेत्र में लंबे समय से संचार सेवा प्रभावित है लेकिन विभाग समस्या के समाधान को लेकर गंभीर नहीं है। कई बार अधिकारियों को जानकारी देने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन तक नहीं उठाए जा रहे हैं। न ही तकनीकी कर्मचारी को मौके पर भेजा गया है। नेटवर्क ठप होने से आपातकालीन परिस्थितियों में भी संपर्क करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द सभी टावर चालू कर संचार सेवा बहाल नहीं की गई तो ग्रामीण विभाग के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे।बीएसएनएल के जेटीओ सुनील चौहान ने बताया कि बंगाण क्षेत्र के बंद टावर देहरादून जिले के त्यूणी क्षेत्र स्थित बागी टावर से जुड़े हैं। भूमि स्वामी ने निजी कारणों से टावर की आपूर्ति बंद कर दी है। यह मामला विकासनगर क्षेत्र से संबंधित है। भूमि स्वामी से वार्ता की जा रही है, जल्द ही समस्या का समाधान कर प्रभावित टावरों की सेवाएं बहाल कर दी जाएंगी।

जालंग सड़क की हालत बदहाल, चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

उत्तरकाशी। डुंडा विकासखंड की ग्राम पंचायत जालंग के ग्रामीणों ने लंबित सड़क निर्माण और सुधारीकरण न होने पर आक्रोश जताया है। ग्राम प्रधान गीता देवी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर दो सप्ताह के भीतर सड़क का काम शुरू कराने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर ग्रामीणों ने अनशन और आगामी विधानसभा चुनाव में वोट न डालने की चेतावनी दी है। धौंतरी–कमद–अंगारखाल–बूढ़ाकेदार मोटर मार्ग से जालंग गांव को जोड़ने वाली करीब 3.5 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 1978–79 में वन विभाग ने कराया था। लंबे समय से उचित रखरखाव और मरम्मत नहीं होने के कारण सड़क की हालत खराब हो चुकी है। इससे ग्रामीणों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। ग्रामीण पिछले करीब 10 वर्षों से इस सड़क को वन विभाग से लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित करने और डामरीकरण कराने की मांग कर रहे हैं। समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्राम पंचायत जालंग में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि दो सप्ताह के भीतर सड़क निर्माण और सुधारीकरण की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन तेज किया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि अब आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन पर काम चाहिए। मांग पूरी नहीं होने पर वे अनशन पर बैठेंगे। बैठक में कमद प्रधान भरत चौहान, भड़कोट प्रधान महिमानंद, मनीषा देवी, इंदर सिंह पंवार आदि मौजूद थे।

पति–पत्नी को भेजा पानी का अलग–अलग बिल

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक के ग्राम पंचायत नैचोली की आम बैठक में ग्रामीणों ने पेयजल निगम चंबा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। गांव में पानी की नियमित आपूर्ति नहीं हो रही है और पेयजल निगम बिना कनेक्शन दिए ही ग्रामीणों को बिल भेज रहा है। यही नहीं पति–पत्नी को भी अलग–अलग बिल भेजा गया है। ग्रामीणों ने पेयजल व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है। ग्राम पंचायत नैचोली में प्रधान मदनलाल उनियाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्राम पंचायत अधिकारी मोहन सिंह कंडारी और अवर अभियंता विमल पैन्यूली ने बताया कि वीबी–जीरामजी (पूर्व मनरेगा) में अब भूमि सुधार के बदले संपर्क मार्ग, जल संरक्षण और अन्य कार्य किए जाएंगे। बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि भासौं–घंटाकर्ण पंपिंग पेयजल योजना के पेयजल वितरण टैंक से पानी खोलने और बंद करने के लिए कोई नियमित कर्मचारी नहीं है, जिससे गांव में पानी की समस्या बनी है।

बदरीनाथ की चोटियों पर बर्फबारी, धाम में बढ़ी ठंड

बदरीनाथ/गोपेश्वर। मौसम में बदलाव के साथ बदरीनाथ धाम की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी शुरू हो गई है। इससे धाम में ठंड बढ़ गई है। वहीं, जिले के निचले इलाकों में दिनभर बादल छाए रहने से ठिठुरन बढ़ गई है। बृहस्पतिवार सुबह से ही बदरीनाथ धाम की ऊंची चोटियों पर रुक–रुककर बर्फबारी होती रही। धूप नहीं खिलने और ठंडी हवाएं चलने से तापमान में गिरावट महसूस की गई। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालु भगवान बदरीनाथ के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। ठंड को देखते हुए नगर पंचायत ने धाम में चार स्थानों पर अलाव जलाने शुरू कर दिए हैं।

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित ने बताया कि साकेत चौराहे, थाने के सामने, बस अड्डे और लूप रोड पर अलाव की व्यवस्था की गई है ताकि स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को ठंड से राहत मिल सके।

जीआईसी नौलबासर में शिक्षकों की कमी, छात्रों की पढ़ाई प्रभावित

घनसाली (टिहरी)। राजकीय इंटर कॉलेज नौल बासर में प्रधानाचार्य सहित प्रवक्ताओं के छह पद रिक्त हैं जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिक्षकों की कमी के चलते छात्रों की संख्या में भी गिरावट आ रही है।

भिलंगना के जीआईसी नौलबासर में रसायन विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, जीव विज्ञान प्रवक्ता, सहायक अंग्रेजी शिक्षक के साथ प्रधानाचार्य के पद भी लंबे समय से रिक्त है जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। अभिभावक संघ के अध्यक्ष मनोज नेगी ने बताया कि विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों की ओर से शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर कई बार शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से पत्राचार किया गया, बावजूद शिक्षकों की तैनाती नहीं हो पाई है।

उन्होंने बताया कि विद्यालय में इस समय 265 छात्र पढ़ रहे हैं, लेकिन शिक्षकों की कमी के कारण छात्रों का भविष्य बर्बाद हो रहा है। शिक्षकों की कमी का असर बोर्ड परीक्षा परिणाम में भी देखा जा सकता है। बताया कि इस वर्ष की बोर्ड परीक्षा में 12वीं कक्षा में 19 छात्र फेल हो गए थे। मानकों के अनुसार विद्यालय में शिक्षक की नियुक्ति न होने से छात्र संख्या में भी धीरे–धीरे कमी आ रही है। शिक्षकों की कमी से अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य और परीक्षा परिणाम को लेकर परेशान है। शिक्षकों की नियुक्ति की मांग पर विभागीय अधिकारियों की ओर से हर बार केवल आश्वासन मिलता है, लेकिन स्थिति जस की तस बनी है।

13 सूत्री मांगों का निराकरण न होने से नाराज शिक्षक करेंगे आंदोलन

गोपेश्वर। राजकीय जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ उत्तराखंड के आह्वान पर चमोली जिले के शिक्षक अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करेंगे। संघ की जिला कार्यकारिणी और सभी विकासखंडों की कार्यकारिणी चार नवंबर को प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय में धरना देगी। वहीं, 30 नवंबर को जिले के सभी सदस्य मुख्यमंत्री आवास कूच आंदोलन में शामिल होंगे।संघ के जिलाध्यक्ष उपेंद्र सती ने बताया कि इससे पहले जून माह में भी संघ ने अपनी मांगों को लेकर सचिवालय कूच किया था।

बड़कोट में दो, पुरोला व चिन्यालीसौड़ में एक–एक एसटीपी का होगा निर्माण

उत्तरकाशी। जनपद के नगरपालिका बड़कोट सहित चिन्यालीसौड़ और पुरोला क्षेत्र को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ने की कवायद शुरू हो गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार आगामी वर्ष 2027 के शुरुआती माह में इन सभी योजनाओं पर कार्य शुरू होने की संभावना है। नगरपालिका बड़कोट, चिन्यालीसौड़ और पुरोला क्षेत्र सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट न होने के कारण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से गंगा, यमुना सहित सहायक कमल नदी सीवरेज के नालों से दूषित हो रही थी। साथ ही स्थानीय लोगों को भी परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा था। गंगा, यमुना और कमल नदी की स्वच्छता को देखते हुए शासन की ओर से पुरोला, बड़कोट और चिन्यालीसौड़ में एसटीपी प्लांट के निर्माण के लिए स्वीकृति दी है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार बड़कोट में दो 2.25 एमएलडी व .70 एमएलडी के एसटीपी प्लांट का निर्माण 33.65 लाख की लागत से किया जाएगा। साथ ही पुरोला में 1.25 एमएलडी के प्लांट का निर्माण 20.16 लाख की लागत से किया जाएगा। साथ ही चिन्यालीसौड़ में 10 केएलडी के एफएसटीपी प्लांट का निर्माण 7.57 लाख की लागत से किया जाएगा। निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई (गंगा) के परियोजना प्रबंधक मानविरेंद्र कफोला ने बताया कि सभी योजनाओं के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई है।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल चुनाव में नेतन्याहू समर्थक खेमे को बढ़त : ट्रंप ने थपथपाई अपनी पीठ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन में किए प्रचार से हुए फायदे का जिक्र किया है। उनकी बढ़त से उत्साहित ट्रंप ने दावा किया कि उनके एक ऐलान से इजरायली नेता की चुनावी स्थिति में सुधार हुआ। इजरायल नेसेट चुनाव की मतगणना के शुरुआती आंकड़ों में नेतन्याहू के समर्थक खेमे को 57 सीटों पर बढ़त मिली है, जबकि उनके विरोधी खेमे को 47 सीटें मिली हैं। ट्रंप ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा की। दावा किया कि नेतन्याहू के समर्थन में अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के बाद चुनावी माहौल बदल गया। पहले निर्णायक हार की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन अब मुकाबला बराबरी का हो गया है या वह जीत भी सकते हैं। इर्विंग सी. श्वार्ट्ज को कोट (हवाले से) करते हुए अपनी पीठ थपथपाई। लिखा, 'जब राष्ट्रपति ट्रंप ने बीबी नेतन्याहू का समर्थन किया, तो पूरी स्थिति ही बदल गई। अब, एक महान प्रधानमंत्री की करारी हार के बजाय, ऐसा लग रहा है कि नेतन्याहू ने बराबरी की स्थिति हासिल कर ली है, या शायद यह उनके लिए एक जीत ही है! यह सब राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन के बाद हुआ, जो केवल मध्य पूर्व, इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका के भले के लिए काम करना चाहते हैं!

ट्रम्प पर स्विस मॉडल ने रेप का आरोप लगाया :कहा- वीजा दिलाने के बहाने होटल में बुलाया था

बर्न , एजेंसी। स्विट्जरलैंड की पूर्व मॉडल बीट्रिस क्यूल ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प पर रेप का आरोप लगाया है। उसने कहा कि 1993 में न्यूयॉर्क के प्लाजा होटल में ट्रम्प ने उनके साथ रेप किया था।क्यूल ने बताया कि घटना के बाद उनके शरीर के कई हिस्सों से खून बह रहा था और चोट के निशान पड़ गए थे। यह दावा अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक सदस्यों की ओर से जारी एक नई रिपोर्ट में किया गया है। क्यूल ने 2024 में ट्रम्प पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। तब उन्होंने कहा था कि 1993 में ट्रम्प ने उन्हें जबरन पकड़ा, चूमा और उनके कपड़े उतारने की कोशिश की थी। अब नई रिपोर्ट में क्यूल ने समिति के कर्मचारियों को बताया कि उस घटना में ट्रम्प ने उनके साथ रेप किया था। क्यूल स्विट्जरलैंड की मॉडल और पूर्व मिस स्विट्जरलैंड हैं। उनके मुताबिक, 1993 में वह अमेरिकन ड्रीम पेजेंट में हिस्सा लेने अमेरिका गई थीं। इस प्रतियोगिता की ट्रम्प के साथ साझेदारी थी। कार्यक्रम के दौरान मैनहैटन के प्लाजा होटल में पत्रकारों के साथ दोपहर के भोजन के समय उनकी ट्रम्प से मुलाकात हुई। क्यूल ने बताया कि इसके बाद ट्रम्प के एक सहयोगी ने उन्हें होटल के कमरे में मिलने के लिए बुलाया। उन्हें लगा था कि वहां बातचीत होगी लेकिन उनके आरोप के मुताबिक, कमरे में ट्रम्प ने पीछे से उन्हें पकड़ लिया और जबरन रेप किया।

कोलंबिया में वेनेजुएला सीमा के पास धमाका, चार पुलिसकर्मी घायल

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया और वेनेजुएला की सीमा को जोड़ने वाले एक पुल के पास मंगलवार को बम धमाका हुआ, जिसमें कम से कम चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। नॉर्टे डी सैंटेंडर प्रांत के गवर्नर विलियम विलामिजार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि पुलिस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने में जुटी है। धमाका फ्रांसिस्को डी पाउला डी सैंटेंडर अंतरराष्ट्रीय पुल के पास कोलंबिया की कर संग्रह एजेंसी के स्थानीय कार्यालय के सामने हुआ। घटनास्थल के वीडियो में धमाके से क्षतिग्रस्त एक ट्रक और कई मोटरसाइकिलें दिखाई दीं। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब कोलंबिया की रूढ़िवादी सरकार देश की सुरक्षा रणनीति में बदलाव कर रही है और आपराधिक गिरोहों तथा विद्रोही समूहों के खिलाफ अधिक सख्त रुख अपना रही है। अगस्त में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने देश में सक्रिय बचे हुए विद्रोही समूहों के साथ शांति वार्ता रद्द कर दी थी। उनका कहना था कि पिछले चार वर्षों में बातचीत से बहुत कम नतीजे निकले। उन्होंने आरोप लगाया कि सशस्त्र समूहों ने सरकार के साथ हुए संघर्षविराम का इस्तेमाल ग्रामीण इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए किया।

यूएन महासभा को क्यूबा के विदेश मंत्री ने किया बाधित, अमेरिकी प्रतिनिधि से हुई तीखी बहस

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिका और क्यूबा के बीच लंबे समय से जारी तनाव मंगलवार को तीखी जुबानी भिड़ंत में बदल गया। अमेरिकी प्रतिनिधि माइक वॉल्ट्ज और क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज पारिला के बीच जबरदस्त बहस हुई, जब महासभा में क्यूबा पर अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों पर चर्चा चल रही थी। असेंबली अध्यक्ष खलीलुर रहमान ने शांति बनाए रखने की अपील की, क्यूबाई प्रतिनिधियों से अपनी सीटों पर वापस जाने और मंगलवार को वाल्ट्ज को अपनी बात रखने देने को कहा, और कुछ देर के लिए बैठक स्थगित कर दी। जब वाल्ट्ज हवाना सरकार की आलोचना कर रहे थे, तो क्यूबाई प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मेजें थपथपाईं और शोर मचाना शुरू कर दिया। वे अपनी सीटों से उठे और मंच की ओर बढ़ गए। वॉल्ट्ज ने अपने संबोधन में क्यूबा की सरकार पर भ्रष्टाचार और आम नागरिकों की कीमत पर सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने क्यूबा के नेतृत्व की कथित संपत्ति और विलासितापूर्ण जीवनशैली का जिक्र करते हुए सदस्य देशों से अमेरिकी प्रतिबंधों की निंदा करने वाले प्रस्ताव का समर्थन नहीं करने की अपील की। इस दौरान रोड्रिगेज ने वाल्ट्ज की बात में बार-बार रुकावट डाली और 'पॉइंट ऑफ ऑर्डर' पर बोलने की मांग की।

इसके बाद दोनों एक-दूसरे को घूरने लगे। वाल्ट्ज मंच से बोल रहे थे, जबकि रोड्रिगेज और उनके साथी मंच के नीचे सामने की तरफ मौजूद थे। रहमान ने 'पॉइंट ऑफ ऑर्डर' उठाते हुए आग्रह किया, 'कृपया कामकाज को सुचारू रूप से चलाने में मेरी मदद करें, और आपको यह अधिकार मिल जाएगा।' वाल्ट्ज ने रोड्रिग्ज पर चिल्लाते हुए कहा, 'पीछे हट जाओ! यह हवाना नहीं है।' इस बीच, रहमान ने कहा, 'कृपया बैठ जाइए। बैठ जाइए,' और फिर बैठक को स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं यहां प्रक्रिया के नियमों को निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से लागू करने के लिए हूं। कुछ ही मिनटों में जब बैठक फिर से शुरू हुई, तो रोड्रिगेज ने 'पॉइंट ऑफ ऑर्डर' उठाया। असल में यह एक जवाब था, जिसमें उन्होंने कहा कि वाल्ट्ज 'सरासर झूठ बोल रहे हैं' और 'क्यूबा की जनता तथा सरकार की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं'। इस दौरान क्यूबा के प्रतिनिधिमंडल ने उनके संबोधन का विरोध किया और मेज थपथपाकर आपत्ति जताई। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई, जब विदेश मंत्री रोड्रिगेज वॉल्ट्ज के मंच के करीब पहुंचे और उन्हें झूठा करार दिया। इस पर अमेरिकी राजदूत ने उन्हें पीछे हटने को कहा। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर सदन में व्यवस्था बहाल करने की कोशिश की। जब वाल्ट्ज ने अपना भाषण फिर से शुरू किया, तो उन्होंने कहा कि रोड्रिगेज ने कैमरों और राजदूतों के सामने उन्हें चुप कराने की कोशिश की थी, लेकिन 'सोचिए कि अगर कोई इस शासन की कठोरता के बीच बोलने की हिम्मत करे, तो क्या होगा'। उन्होंने कुछ तस्वीरें दिखाईं, जिनके बारे में उनका कहना था कि उनमें 'कास्त्रो' 40,000 डॉलर की कीमत वाली दो रोलेक्स घड़ियां पहने हुए हैं। संभवतः वे पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो की बात कर रहे थे, जो क्यूबा की क्रांति के नेता फिदेल कास्त्रो के भाई हैं। असेंबली में एक प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी, जिस पर बुधवार को मतदान होना है। इस प्रस्ताव में क्यूबा पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग की गई है। हाल के महीनों में तेल की नाकेबंदी के साथ ये प्रतिबंध और भी कड़े कर दिए गए हैं। बोलने वाले अधिकांश देशों ने वाशिंगटन के प्रतिबंधों का विरोध किया और क्यूबा का समर्थन किया।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नॉन-अलाइन्ड मूवमेंट) की ओर से बोलते हुए, युगांडा के स्थायी प्रतिनिधि एडोनिया अयेबारे ने कहा कि उनका समूह 'इस साल अमेरिकी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को लेकर गहरी चिंता जताता है, जिन्होंने (प्रतिबंधों) को अत्यधिक कठोर स्तर तक बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा क्यूबा पर हमले की योजना बनाने की अफवाहों के बीच, उन्होंने कहा, 'गुटनिरपेक्ष आंदोलन, संयुक्त राष्ट्र के सबसे प्रतिनिधि निकाय के रूप में, महासभा से आग्रह करता है कि वह क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रामकता को रोकने के लिए प्रयास करे। क्यूबा गुटनिरपेक्ष आंदोलन का एक संस्थापक सदस्य है, और शांति बनाए रखना जरूरी है।

आसियान की ओर से बोलते हुए, सिंगापुर के स्थायी प्रतिनिधि बुरहान गफूर ने कहा कि उनका संगठन 'क्यूबा के लोगों पर इन प्रतिबंधों के असर को लेकर विशेष रूप से चिंतित है।

आसियान रक्षा बैठक से इतर मिले राजनाथ सिंह और पीट हेगसेथ, अमेरिकी रक्षा मंत्री से हुई चर्चा

सेबू , एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को फिलीपींस के सेबू में आसियान रक्षा मंत्रियों की 13वीं बैठक प्लस (एडीएमएम-प्लस) से इतर अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे के एक साल पूरे होने का जश्न मनाया और सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, '13वीं एडीएमएम-प्लस बैठक के इतर अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के साथ शानदार मुलाकात हुई। हमने अपने 10 वर्षीय भारत-अमेरिका रक्षा ढांचे की प्रगति की समीक्षा की। यह ढांचा सैन्य प्रौद्योगिकी, सूचना साझा करने और संयुक्त उत्पादन के क्षेत्रों में रणनीतिक तालमेल को आगे बढ़ा रहा है। हमारी मजबूत साझेदारी स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है।

भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के एक साल पूरे : राजनाथ सिंह और हेगसेथ की मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब भारत और अमेरिका के बीच प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे को एक साल पूरा हो गया है। वर्ष 2025 में दोनों देशों ने इस ढांचे पर हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य अगले 10 वर्षों में रक्षा साझेदारी को और व्यापक बनाना है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह ढांचा दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहरा करने के लिए साझा दृष्टिकोण और नीतिगत दिशा प्रदान करता है।

हेगसेथ ने अन्य देशों के रक्षा नेताओं से भी की मुलाकात : अमेरिकी युद्ध मंत्री ने दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और जापान के रक्षा नेतृत्व के साथ भी बैठकें कीं। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री कांग के साथ मुलाकात के बाद उन्होंने दोनों देशों के गठबंधन और रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दिया। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री मार्ल्स के साथ बैठक में उन्होंने गठबंधन को मजबूत करने और बेहतर परिणाम हासिल करने की बात कही। वहीं, जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ चर्चा में उन्होंने साझा रणनीतिक लक्ष्यों, रक्षा निवेश, प्रशिक्षण और हथियारों के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया। हवाई अड्डे पर फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के अवर सचिव और सेवानिवृत्त मेजर जनरल फैबियन एम. पेड्रोसा ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान फिलीपींस में भारत के राजदूत हर्ष कुमार जैन और रक्षा अताशे कैप्टन चंद्रकांत कोठारी भी मौजूद थे।

अमेरिकी चुनाव आयोग की वेबसाइट पर साइबर हमला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से पहले चुनाव आयोग की वेबसाइट पर साइबर हमला हुआ है। इससे चुनावी चंदे और खर्च का ब्योरा दर्ज करने वाला इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम प्रभावित हो गया। रॉयटर्स को मिले एक ईमेल के मुताबिक, हैकर या हैकर्स ने अमेरिकी संघीय चुनाव आयोग (एफईसी) के सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश की। इसके बाद आयोग को अपनी ऑनलाइन सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ीं। यह घटना तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से करीब एक सप्ताह पहले हुई है। इन चुनावों से तय होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी अगले दो साल तक अमेरिकी संसद में अपना बहुमत बनाए रख पाएगी या नहीं।

एफईसी ने बयान में कहा, 'इस समय आयोग का इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग सिस्टम बंद है और हमारी आईटी टीम सेवा बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।' आयोग की वेबसाइट पर पुराने चुनावी खर्च की रिपोर्ट अब भी देखी जा सकती हैं। आयोग के एक अधिकारी ने चुनावी नियमों का पालन कराने वाली कंपनियों को भेजे ईमेल में कहा कि एफईसी के सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश की जा रही थी। इसी वजह से इंटरनेट के जरिए उपलब्ध सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। सोमवार रात करीब 10 बजे से सिस्टम बंद था। मंगलवार रात आयोग ने बताया कि समस्या की पहचान कर ली गई है और उसे ठीक करने की प्रक्रिया जारी है। हालांकि, वेबसाइट पर जारी सूचना के मुताबिक, फाइलिंग सिस्टम अभी भी बंद था। एफईसी अमेरिका में चुनाव कराने की जिम्मेदारी नहीं संभालता। इसलिए इस तकनीकी गड़बड़ी का मतदाताओं के वोट डालने की क्षमता पर असर पड़ने की आशंका नहीं है। हालांकि, सिस्टम बंद होने से राजनीतिक संगठनों के लिए चुनावी खर्च की 24 घंटे और 48 घंटे के भीतर जमा की जाने वाली अनिवार्य रिपोर्ट दाखिल करना मुश्किल हो गया है।

ब्राजील चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो ने देश छोड़ा, लूला ने बताया 'शर्मनाक'

रियो डी जेनेरो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने मंगलवार को चुनाव के बाद देश छोड़ने के लिए हारे हुए राष्ट्रपति उम्मीदवार फ्लेविियो बोल्सोनारो की आलोचना की और इस कदम को 'शर्मनाक' बताया. शिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक लूला ने अपने 81वें जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए ब्रासीलिया में राष्ट्रपति निवास, अल्वोराडा पैलेस के बाहर इकट्ठा हुए समर्थकों से कहा, 'मुझे अफसोस है कि उन्होंने ब्राजील छोड़ दिया और ब्राजील छोड़ने का उनका फैसला शर्मनाक है.'

लिबरल पार्टी के फेडरल सांसद मौरिसियो मार्कोन ने मंगलवार को कहा कि फ्लेविियो बोल्सोनारो ब्राजील छोड़कर अमेरिका जा रहे हैं. ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट ने सोमवार को फ्लेविियो बोल्सोनारो के देश छोड़ने पर रोक लगा दी. ब्राजील की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह न्यायिक आदेश कोर्ट की मनी-लॉन्ड्रिंग जांच से जुड़ा है. इसमें बोल्सोनारो

और वकील विलर टोमाज दोनों जांच के दायरे में हैं. बोल्सोनारो के देश छोड़ने की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. ब्राजील की मीडिया ने बताया कि देश के इमिग्रेशन कंट्रोल सिस्टम में ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं था जिससे पता चले कि वह रेगुलर बॉर्डर कंट्रोल के जरिए ब्राजील से बाहर गया था. फेडरल पुलिस इस बात की जांच कर रही थी कि वह देश छोड़कर गया या नहीं और कैसे गया. ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट के जज ने फ्लेविियो बोल्सोनारो को पासपोर्ट सरेंडर करने का आदेश दिया और उनके देश छोड़ने पर रोक लगा दी. ब्राजील की पब्लिक न्यूज एजेंसी एजेंसिया ब्रासिल के मुताबिक यह सीक्रेट फ़ैसला बोल्सोनारो और वकील विलर टोमाज से जुड़ी एक जांच का हिस्सा है. ब्राजील की मीडिया ने बताया कि मोरेस ने बोल्सोनारो को टोमाज से कॉन्टैक्ट करने से भी मना किया है. मनी लॉन्ड्रिंग और गैर-कानूनी फॉरेन एक्सचेंज ट्रांजैक्शन के शक में फेडरल पुलिस दोनों लोगों की जांच कर रही है. रविवार को हुए प्रेसिडेंशियल रनऑफ में लूला ने बोल्सोनारो को हराया उन्हें 51.79 फीसदी वैध वोट मिले, जबकि बोल्सोनारो को 48.21 प्रतिशत वोट मिले. 45 साल के बोल्सोनारो, पूर्व प्रेसिडेंट जेयर बोल्सोनारो के सबसे बड़े बेटे हैं और 2019 से सीनेटर के तौर पर काम कर रहे हैं. अमेरिकी मीडिया ने एक सीनियर डिपार्टमेंट अधिकारी के हवाले से बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय हारे हुए ब्राजील के प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट फ्लेविियो बोल्सोनारो और उनके परिवार को वीजा जारी करेगा. उन्हें अमेरिका में एंट्री देगा. ब्राजील के प्रेसिडेंट लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने मंगलवार को चुनाव के बाद देश छोड़ने के लिए बोल्सोनारो की आलोचना की और इस कदम को शर्मनाक बताया. शिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक लूला ने ब्रासीलिया में प्रेसिडेंशियल रेजिडेंस, अल्वोराडा पैलेस के बाहर अपने 81वें जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए सपोर्टर्स से कहा, 'मुझे अफसोस है कि उन्होंने ब्राजील छोड़ दिया और ब्राजील छोड़ने का उनका फ़ैसला शर्मनाक है।

दुबई में है दुनिया का पहला गोल्ड वॉकवे...चारों ओर सोना ही सोना, 24 कैरेट एकदम खरा

दुबई , एजेंसी। दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट ने इस साल के अंत से पहले दुनिया का पहला 'गोल्ड वॉकवे' खोलने की योजना की घोषणा की है. इसे अपनी तरह का पहला और दुनिया का सबसे लंबा वॉकवे बताया गया है. यह वॉकवे 24 कैरेट सोने से बना होगा. घोषणा ऐसे समय में की गई है जब दुबई ने सोने की बालियों की सबसे भारी जोड़ी और दुनिया की सबसे बड़ी बालियों की जोड़ी के लिए दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं. ये बालियां पारंपरिक 'झुमके' डिजाइन में हाथ से बनाई गई थीं. दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट के कमर्शियल सेक्टर के सीनियर डायरेक्टर, राशिद अल हरमौदी ने इस साल के अंत से पहले गोल्ड वॉकवे खोलने की योजना का खुलासा किया. इससे इस इलाके में पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण तैयार होगा. अल हरमौदी ने कहा यह वॉकवे, जो अगले

दो महीनों के भीतर खुलने वाला है, अपनी तरह का पहला और दुनिया का सबसे लंबा वॉकवे होगा. इसे 24 कैरेट सोने से बनाया जाएगा.' यह प्रोजेक्ट दुबई को एक प्रमुख पर्यटन स्थल और सोने के व्यापार के वैश्विक केंद्र के रूप में और मजबूत करने की कोशिशों का हिस्सा है. इस वॉकवे पर आने वाले लोग और पर्यटक सोने के रास्ते पर चल सकेंगे, जिससे दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट में पर्यटन का एक नया अनुभव मिलेगा. उन्होंने इस इलाके में एक प्रदर्शनी (एग्जीबिशन) आयोजित करने की योजना के बारे में भी बताया. इसका लक्ष्य मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में सोने और आभूषणों के व्यापार की सबसे बड़ी प्रदर्शनी बनना है. इस साल की शुरुआत से, दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट में सोने के थोक व्यापार वाले कार्यालयों की संख्या में 20 फीसदी की वृद्धि हुई है. इसके साथ ही, सोने, आभूषणों, कीमती पत्थरों और लग्जरी घड़ियों के नए स्टोरों की संख्या में भी 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है. अल हरमौदी ने बताया कि दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट में विस्तार का काम चल रहा है, ताकि यहां अपना कारोबार शुरू करने की इच्छा रखने वाली सोने और आभूषण कंपनियों की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके. उन्होंने अनुमान जताया कि अगले साल यहां आने वाली कंपनियों की संख्या में 10 फीसदी से 20 फीसदी तक की वृद्धि होगी. इस विस्तार योजना के तहत नए कार्यालय और रिटेल स्पेस भी उपलब्ध कराए जाएंगे. इस क्षेत्र के स्वर्ण और आभूषण उद्योग के लिए इस ऐतिहासिक पल में इथरा दुबई ने आधिकारिक तौर पर दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट लॉन्च किया है. इसे विशेष रूप से इस तरह तैयार किया गया है कि यह स्वर्ण और आभूषण व्यापार के लिए दुबई को दुनिया के प्रमुख केंद्र के रूप में और अधिक ऊंचाइयों पर ले जा सके।

न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल चुनाव में बढ़ी हलचल, क्या लेटिशिया जेम्स को टक्कर दे पाएंगी भारतीय मूल की सरिता कोमाटिरेड्डी?

न्यूयॉर्क , एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी रिपब्लिकन सरिता कोमातीरेड्डी न्यूयॉर्क की एक बेहद हाई-प्रोफाइल राजनीतिक लड़ाई में उतर चुकी हैं. वह 3 नवंबर को होने वाले अटॉर्नी जनरल के चुनाव में मौजूदा डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स को टक्कर दे रही हैं. सरिता एक पूर्व संघीय अभियोजक (फेडरल प्रोसिक्यूटर) हैं, जिन्हें आतंकवाद, साइबर क्राइम, मनी लॉन्ड्रिंग और कई अन्य जटिल मामलों को संभालने का 10 साल से ज्यादा का अनुभव है. वह अपने इसी कानून-व्यवस्था के रिकॉर्ड को अपने चुनाव प्रचार का सबसे मुख्य हिस्सा बना रही हैं. सरिता (उम्र 42 वर्ष) ने फरवरी 2026 में न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन हासिल किया था. उनका पूरा अभियान कानून और व्यवस्था के संदेश पर टिका है, जो न्यूयॉर्क में एक संघीय अभियोजक के रूप में उनके वर्षों के अनुभव और बाद में ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में उनकी भूमिका पर आधारित है. लेकिन उनके इस कानूनी करियर के पीछे एक निजी कहानी भी है, जो एक भारतीय अप्रवासी परिवार से शुरू होती है और जिस पर 11 सितंबर 2001 (9/11) के आतंकवादी हमलों का गहरा असर पड़ा था. सरिता कोमातीरेड्डी का कहना है कि 9/11 के आतंकवादी हमलों ने ही उन्हें लॉ में करियर बनाने का फैसला लेने के लिए प्रेरित किया. ये हमले न्यूयॉर्क में हुए थे, जहां उनका जन्म हुआ था और जहां बाद में उन्होंने देश के कुछ सबसे गंभीर अपराधों के खिलाफ

मामले दर्ज करने में 10 साल से ज़्यादा का समय बिताया. न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट में एक असिस्टेंट यूएस अटॉर्नी के रूप में, उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, साइबर अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग, धोखाधड़ी और विदेशी सार्वजनिक भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों पर काम किया. वह राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर अपराध विभाग की एक सीनियर सदस्य बनीं और उन्होंने कई नेतृत्व वाली भूमिकाएं निभाईं, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय नशीले पदार्थ और मनी लॉन्ड्रिंग विभाग की प्रमुख, उनकी कंपनी की वेबसाइट पर मौजूद प्रोफाइल के अनुसार, उनके काम में निर्यात नियंत्रण, आर्थिक प्रतिबंध, हिंसक गिरोह और अन्य जटिल आपराधिक जांचें भी शामिल थीं. एक संघीय अभियोजक के रूप में अपने समय के दौरान, सरिता ने 8 जूरी मुकदमों का संचालन किया और यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स के सामने 15 अपीलों पर बहस की. एक भारतीय अप्रवासी की बेटी से लेकर एक संघीय अभियोजक और वरिष्ठ कानून प्रवर्तन अधिकारी बनने तक का सरिता का सफर अब उन्हें चुनावी राजनीति में ले आया है।

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को यूएई ने दिया ऑर्डर ऑफ जायद सम्मान

अबू धाबी, एजेंसी। फ्लाईदुबई फ्लाइट को हाइजैक होने से बचाने के लिए जान की बाजी लगाने को तैयार भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा है। राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मच्छार समेत विमान के अन्य चालक दल सदस्यों को प्रथम श्रेणी के 'ऑर्डर ऑफ जायद 2' से सम्मानित किया है। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने चालक दल को यह सम्मान प्रदान किया। दुबई मीडिया ऑफिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। यूएई के नेतृत्व ने चालक दल की त्वरित कार्रवाई, जिम्मेदारी और व्यावसायिक दक्षता की सराहना करते हुए कहा, 'यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना देश की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। राष्ट्रपति ने चालक दल के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान यूएई के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

यह सम्मान 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 में हुई घटना के बाद गया है। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान के कॉकपिट में सह-पायलट ने कैप्टन मच्छार पर

हमला कर दिया था और विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की थी। यूएई के अभियोजकों की जांच के अनुसार, आरोपी की मंशा विमान को इजरायल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त कर बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान पहुंचाने की थी। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफलता हासिल की। इसके बाद चालक दल के अन्य सदस्यों और यात्रियों ने हस्तक्षेप कर हमलावर को काबू में किया। विमान को सऊदी अरब के तबुक हवाई अड्डे की ओर मोड़ा गया, जहां उसे सुरक्षित उतारा गया। इस घटना में विमान में सवार यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की जान बच गई। घटना के बाद शेख हमदान ने अस्पताल में कैप्टन मच्छार से मुलाकात कर उनके साहस और मानव जीवन की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की थी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी उनकी बहादुरी की प्रशंसा की थी। इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने भी कैप्टन मच्छार को स्वस्थ होने के बाद देश के नागरिक वीरता सम्मान से सम्मानित करने की घोषणा की है।

को-पायलट ने कुल्हाड़ी से हमला किया था : 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 दुबई से तेल अवीव जा रही थी। इसी दौरान विमान के को-पायलट ने कॉकपिट में कैप्टन मच्छार पर हमला कर दिया। हमले में कैप्टन घायल हो गए। उन्होंने बताया था कि को-पायलट ने सिर पर कई वार किए। को-पायलट ने विमान को गिराने की कोशिश में कैप्टन पर कॉकपिट में ही मौजूद इमरजेंसी कुल्हाड़ी से हमला किया था। इस दौरान मच्छर ने विमान से हाईजैक का संकेत भी भेजा था। हमले के दौरान कैप्टन मच्छर ने किसी तरह कॉकपिट का दरवाजा खोला। इसके बाद विमान में मौजूद यात्रियों और क्रू ने अंदर पहुंचकर हमलावर को काबू किया।

सर्दियों में आपकी सेहत

इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्द्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छाछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है। यह खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।
- प्रात- एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।

- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रात- व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुल्ला कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।
- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।
- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।
- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आँवला आदि का सेवन करना चाहिए।
- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द दाल का लड्डू, गन्ना रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।
- चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।
- ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नीबू पानी और भोजन के पश्चात छाछ पीना लाभदायक होता है।
- इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ । अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नीबू और ताजा दही वर्जित नहीं है।
- शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।
- सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।
- मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।

स्वस्थ रहने के आसान उपाय

सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौडऩा, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियां चक्की पीसना,,रस्सीकूदना, पानी भरना, झाड़ू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रात- टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूंगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसम्मी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्तता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हंसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूंग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूंगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी ईलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियां खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूं, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे भर बाद पानी पियें । भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रात- उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छाछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छाछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव मौसम्मी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मैथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहां तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ

स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी मां के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परि?वर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकदक, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियां तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती है। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग, साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफौंडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माइंड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

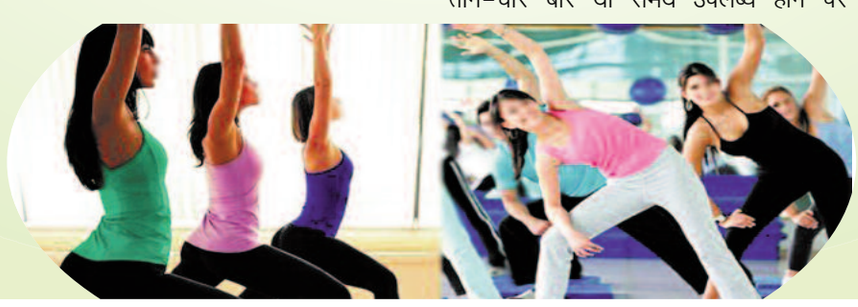

एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।

लाभदायक है सर्दियों में
सिंघाड़े का सेवन

सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते है और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते है। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएं जानें वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरूस्त रखने में मदद करते है। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्त्व पाएं जाते है पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते है जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते है। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर
अजवायन

- अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएं। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएं।
- मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएंगे।
- जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

घर के कामकाज से
कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यूं तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ कभी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।

मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू को हाईकोर्ट से फिलहाल राहत नहीं

नैनीताल। उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू को नैनीताल हाईकोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है। उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे को निरस्त करने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने मामले को दूसरी पीठ के समक्ष भेज दिया है। यह सुनवाई बुधवार, 28 अक्टूबर 2026 को न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ में हुई। मामले में गिरधारी लाल साहू की ओर से याचिका दायर कर उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे को निरस्त करने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से आरोपों को गलत बताते हुए कहा गया कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया है। हालांकि, अदालत से फिलहाल उन्हें कोई राहत नहीं मिली और मामले को आगे की सुनवाई के लिए दूसरी पीठ को भेज दिया गया।

रेखा आर्य की शिकायत पर दर्ज हुआ है मुकदमा

मामले के अनुसार, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने अपने पति गिरधारी लाल साहू के खिलाफ देहरादून के कैंट थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने कथित धोखाधड़ी, मारपीट, धमकी, जातिसूचक टिप्पणी और हस्ताक्षरों में जालसाजी सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों की जांच की जा रही है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि साहू ने विवाह के समय अपनी वैवाहिक स्थिति छिपाई थी। रेखा आर्य के अनुसार, उनका विवाह वर्ष 2004 में हुआ था और बाद में उन्हें कथित तौर पर पता चला कि साहू पहले से विवाहित थे।

याचिकाकर्ता ने आरोपों को बताया गलत

दूसरी ओर, गिरधारी लाल साहू की ओर से याचिका में कहा गया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं और उन्हें गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2004 में विवाह के बाद से वह रेखा आर्य के साथ रह रहे हैं।साहू की ओर से यह आरोप भी लगाया गया कि मंत्री बनने के बाद रेखा आर्य ने कथित तौर पर 210 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित की है और इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। यह याचिकाकर्ता की ओर से लगाया गया आरोप है, जिसकी स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध जानकारी से नहीं होती।

अब दूसरी पीठ में होगी सुनवाई

हाईकोर्ट में फिलहाल याचिका पर मांगी गई राहत नहीं मिली है। मामले को दूसरी पीठ के पास भेजे जाने के बाद आगे की सुनवाई उसी के समक्ष होनी है। इस स्तर पर अदालत द्वारा मुकदमा निरस्त करने या गिरफ्तारी पर रोक लगाने के संबंध में अंतिम निर्णय दिए जाने की जानकारी उपलब्ध नहीं है।

बीकेटीसी अस्थायी कर्मचारियों का धरना समाप्त

केदारनाथ/ रूद्रप्रयाग। श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी व बीकेटीसी पदाधिकारियों से बृहस्पतिवा को हुई वार्ता के बाद श्री केदारनाथ धाम में कार्यरत अस्थायी कर्मचारियों ने अपना आमरण अनशन, धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। बीकेटीसी अध्यक्ष उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण तथा मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ की अस्थायी कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से दूरभाष पर वार्ता के बाद अस्थायी कर्मचारी धरना समाप्त करने पर सहमत हुए। इस अवसर पर केदारनाथ में बीकेटीसी सदस्य डॉ. विनीत पोस्ती तथा केदारनाथ के प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी ने मंदिर परिसर स्थित धरना स्थल पर मौजूद रहे और बातचीत में शामिल हुए। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि इससे पूर्व 27 अक्टूबर को बीकेटीसी अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों के साथ बदरीनाथ धाम में हुई वार्ता के बाद बदरीनाथ धाम सहित ज्योतिर्मठ कार्यालय में कार्यरत अस्थायी कर्मचारियों ने भी अपना धरना समाप्त कर दिया था इस तरह अब सभी अस्थायी कर्मचारियों ने धरना स्थगित करने का निर्णय लिया।बीकेटीसी अध्यक्ष ने कहा कि मंदिर समिति अस्थायी कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है। कर्मचारियों की वेतनवृद्धि, आकस्मिक मृत्यु एवं सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त धनराशि, दुर्घटना बीमा तथा ईपीएफ सहित विभिन्न मांगों पर विचार के लिए उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती एवं उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण की अध्यक्षता में उपसमिति गठित की गयी है।

तेज हवाओं से झूला घर में लगा 100 फीट ऊंचा तिरंगा क्षतिग्रस्त

मसूरी। शहर के झूला घर में लगे करीब 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज को तेज बारिश और हवाओं के कारण नुकसान हुआ है। लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण ध्वज को नुकसान पहुंचा है। तिरंगे की स्थिति को देखते हुए अब मौसम साफ होने का इंतजार किया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी शम्स अली ने बताया कि तेज हवा और बारिश के कारण तिरंगा क्षतिग्रस्त हुआ है।

इस संबंध में मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) के सहायक अभियंता अजय मलिक ने बताया कि बारिश रुकने के बाद क्षतिग्रस्त तिरंगे को जल्द ही बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मौसम अनुकूल होते ही ध्वज बदलने की कार्रवाई की जाएगी।

रिजॉर्ट संचालक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

ऋषिकेश,गंगा भोगपुर तल्ला स्थित एक रिजॉर्ट संचालक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। रिजॉर्ट संचालक की घड़ी व चप्पल गंगा किनारे मिले हैं। जिससे आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। वहीं बताया जा रहा है कि रिजॉर्ट संचालक ने घर पर सुसाइड नोट भी छोड़ा है। पुलिस ने रिजॉर्ट संचालक की पत्नी की शिकायत पर दो लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। बीते 27 अक्तूबर को विनीता गुप्ता पत्नी नीरज गुप्ता, निवासी एटीएस ग्रीन पैराडिसो, ग्रेटर नोएडा ने पुलिस को लिखित शिकायत दी। शिकायत में बताया गया कि उनके पति नीरज गुप्ता गंगा भोगपुर तल्ला में पनाम्बी रिजॉर्ट एंड स्पा का संचालन करते थे।

नैनीताल हाईवे पर गोली चलने के दावे वाला वीडियो वायरल

देहरादून/नैनीताल। सोशल मीडिया पर वायरल होने और अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनाने के लिए बनाए जाने वाले वीडियो एक बार फिर चर्चा का विषय बन गए हैं। सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसके साथ नैनीताल हाईवे पर अचानक गोली चलने का दावा किया गया है। वीडियो को नाटकीय अंदाज में प्रस्तुत किए जाने के कारण इसकी वास्तविकता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

उपलब्ध स्क्रीनशॉट के अनुसार, यह वीडियो नाम के फेसबुक पेज पर पोस्ट किया गया है। संबंधित पेज में लगभग 1.30 लाख फॉलोअर्स दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दिखाई देने वाले दृश्यों और उसके साथ किए गए दावे के आधार पर लोग यह जानना चाहेंगे कि आखिर हाईवे पर वास्तव में क्या हुआ था।

क्या सच में चली थी गोली?

वीडियो के साथ नैनीताल हाईवे पर गोली चलने का दावा किया गया है। हालांकि, केवल वीडियो के आधार पर यह पुष्टि नहीं की जा सकती कि वहां वास्तव में गोली चली थी या दृश्य किसी अभिनय अथवा मनोरंजन के उद्देश्य से तैयार किए गए थे।

वीडियो किस स्थान पर बनाया गया, घटना की तारीख क्या है, क्या किसी व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और क्या पुलिस को इस संबंध में कोई सूचना मिली–इन महत्वपूर्ण सवालों के जवाब अभी स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं हैं।ऐसे में वीडियो को वास्तविक गोलीबारी की घटना बताकर प्रचारित करना उचित नहीं होगा। मामले की वास्तविकता सामने लाने के लिए वीडियो के मूल स्रोत, स्थान और घटनाक्रम की पुष्टि आवश्यक है।

वायरल होने की होड़ में खबर और मनोरंजन के बीच अंतर जरूरी

आज सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोग वीडियो, रील और मनोरंजन संबंधी सामग्री पोस्ट करते हैं। इनमें वास्तविक घटनाओं के साथ–साथ अभिनय और काल्पनिक दृश्य भी हो सकते हैं। समस्या तब पैदा होती है, जब किसी नाटकीय दृश्य को वास्तविक घटना के रूप में प्रस्तुत किया जाता है और लोग बिना जांच किए उसे आगे साझा करने लगते हैं।

यदि किसी वीडियो में वास्तविक घटना का भ्रम पैदा करने वाले दृश्य हैं, तो उसके साथ स्पष्ट जानकारी देना जरूरी है कि वह अभिनय है या वास्तविक घटनाक्रम। इससे आम लोगों में अनावश्यक डर और भ्रम फैलने से रोका जा सकता है।

पुलिस की पुष्टि के बाद ही साफ होगी तस्वीर

फिलहाल उपलब्ध सामग्री से गोली चलने की घटना की पुष्टि नहीं होती। संबंधित फेसबुक पेज पर वीडियो पोस्ट किए जाने की जानकारी से मिलती है, लेकिन इससे वीडियो में किए गए दावे की सत्यता साबित नहीं होती।

संक्षिप्त समाचार

भालू ने बंगथल में गौशाला तोड़कर गाय को मार डाला

पोखरी (चमोली)। ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों में भालू का आतंक बढ़ता जा रहा है। भालू ने बीती रात बंगथल गांव में गौशाला तोड़कर अंदर बंधी दुधारू गाय को मार डाला। एक सप्ताह के भीतर भालू अलग–अलग गांवों में पांच मवेशियों को मार चुका है। इससे ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है।

बीती रात भालू ने दिलबर सिंह नेगी की गौशाला को तोड़कर अंदर बंधी गाय को मार डाला। इससे एक रात पहले डुंगर और उससे पहले किमोठा गांव में भी भालू गाय को मार चुका है। कुछ दिन पूर्व कांडई चंद्रशिला में गाय और जौरासी में बैल को भी भालू ने मार डाला था।

कांडई चंद्रशिला में भालू ने एक बैल को घायल भी कर दिया था। लगातार मवेशियों को शिकार बनाए जाने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। बगथल की ग्राम प्रधान ज्योति देवी, ललित मिश्रा और तोणजी के पूर्व प्रधान मुकेश नेगी ने वन विभाग से भालू के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मवेशियों के साथ ही ग्रामीणों के जीवन पर भी खतरा मंडरा रहा है।

ऐतिहासिक विरासत से जुड़ेगा मसूरी विंटरलाइन कार्निवाल

मसूरी। मसूरी विंटरलाइन कार्निवाल–2026 को मसूरी की ऐतिहासिक विरासत, लोक परंपराओं और उत्तराखंड की संस्कृति से जोड़ा जाएगा। कार्निवाल के कार्यक्रमों के माध्यम से इनसे देश–विदेश के पर्यटकों को परिचित कराने पर जोर रहेगा। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कार्निवल की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को हुई समीक्षा बैठक में सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण के कामों को जल्द पूरा करने के निर्देश भी दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि कार्निवाल के दौरान पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। सड़कों की स्थिति, पेयजल, साफ–सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाएं समय से दुरुस्त की जाएं।

सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय में तैयारियां पूरी करें। उन्होंने मसूरी के ऐतिहासिक स्मारकों और भवनों का सौंदर्यीकरण कर उन्हें कार्निवाल की गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। इन स्थानों पर स्थानीय इतिहास, लोककला, परंपराओं और व्यंजनों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं पर काम करने को कहा, ताकि पर्यटकों को शहर की सांस्कृतिक पहचान से परिचित कराया जा सके।

प्रभारी प्रधानाचार्यों के भरोसे जौनपुर के कई इंटर कॉलेज

(टिहरी)। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज थत्यूड़ समेत क्षेत्र के कई अन्य इंटर कॉलेज प्रभारी प्रधानाचार्यों के भरोसे संचालित हो रहे हैं, जिससे विद्यालयों की व्यवस्था और छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

जौनपुर ब्लॉक के जीजीआईसी थत्यूड, जीआईसी थत्यूड़ में विगत 3 वर्षों से स्थाई प्रधानाचार्यों के पद रिक्त पड़े हैं। इसके अलावा विकासखंड के जीआईसी रौतू की बेली, भवान, कटाल, मथलाऊ, बंगशील, क्यारी कैंपटी, धनौल्टी सहित कई अन्य विद्यालयों में स्थाई प्रधानाचार्य के पद लंबे समय रिक्त हैं।

जौनपुर ब्लॉक के पूर्व प्रमुख महिपाल सिंह रावत, अभिभावक संघ के अध्यक्ष बलवीर सिंह रावत, हरिओम रावत, ओम प्रकाश गौड़, हरिभजन पंवार का कहना है कि क्षेत्र के कई ऐसे विद्यालय हैं जहां वर्षों से प्रधानाचार्य नहीं हैं।

विद्यालयों में स्थाई प्रधानाचार्यों की मांग को लेकर अभिभावक ने कई बार शिक्षा विभाग के अधिकारियों से बात की है, बावजूद प्रधानाचार्यों की तैनाती नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा के लिए कुछ ही महीनों का समय शेष है, ऐसे में विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था कैसे सुधरेगी। उन्होंने शासन–प्रशासन से अति शीघ्र क्षेत्र के विद्यालयों में स्थाई प्रधानाचार्यों की तैनाती करने की मांग उठाई है।

25 वर्षीय युवक की मौत से परिवार में मातम

बागेश्वर। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में गंभीर बीमारियों के उपचार और आर्थिक चुनौतियों का सवाल एक बार फिर सामने आया है। बागेश्वर जिले के गरुड़ क्षेत्र के हिल कुलवान निवासी 25 वर्षीय प्रदीप कुमार की मौत से परिवार में शोक की लहर है। परिजनों के मुताबिक, प्रदीप पिछले करीब दो वर्षों से हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रहा था। बीते दिन उसने कथित तौर पर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैजनाथ लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दो साल से बीमारी से जूझ रहा था युवक

मृतक प्रदीप कुमार, बलवीर राम का पुत्र था और बदरीनाथ स्थित एक होटल में काम करता था। परिजनों के अनुसार, कुछ समय पहले उसकी तबीयत लगातार बिगड़ने लगी थी। जांच के दौरान उसके हृदय की नसों में ब्लॉकेज होने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद उसका उपचार चल रहा था। बीमारी के चलते पिछले करीब तीन महीनों से वह घर पर ही रह रहा था। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों ने उसके कामकाज और सामान्य जीवन को प्रभावित कर दिया था।

बेहतर इलाज के लिए कई शहरों के अस्पतालों के लगाए चक्कर

प्रदीप के भाई बंशी राम के अनुसार, परिवार ने उसे बेहतर उपचार दिलाने के लिए हल्द्वानी, अल्मोड़ा, ऋषिकेश और श्रीनगर के अस्पतालों में दिखाया। परिजन लगातार उसके इलाज की व्यवस्था करने में जुटे थे, लेकिन उपचार पर

होने वाले खर्च का इंतजाम करना परिवार के लिए चुनौती बन गया था।परिवार को उम्मीद थी कि आर्थिक संसाधन जुटाकर प्रदीप का आगे का इलाज कराया जा सकेगा। हालांकि, इससे पहले ही उसकी मौत की दुखद खबर सामने आ गई। इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

घटना से पहले परिजनों से की थी मुलाकात

परिवार के सदस्यों के मुताबिक, घटना से पहले प्रदीप अपनी मां हंसी देवी, भाइयों और घर के बच्चों से मिला था। परिजनों ने बताया कि इस दौरान वह भावुक दिखाई दे रहा था और परिवार के सदस्यों को एक–दूसरे का ख्याल रखने की बात कह रहा था। कुछ देर बाद वह बाथरूम में गया। जब परिजनों ने उसकी स्थिति के बारे में पूछा, तो उसने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाने की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैजनाथ ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

छह भाई–बहनों के परिवार में पसरा मातम

प्रदीप चार भाइयों और दो बहनों वाले परिवार का सदस्य था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजन लंबे समय से उसके उपचार की व्यवस्था करने का प्रयास कर रहे थे। जवान बेटे की मौत से मां और परिवार के अन्य सदस्यों का रो–रोकर बुरा हाल है।

पहाड़ में गंभीर बीमारियों के इलाज पर फिर उठे सवाल

प्रदीप की मौत ने पर्वतीय क्षेत्रों में गंभीर बीमारियों के उपचार, विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की परेशानियों पर एक बार फिर ध्यान खींचा है। पहाड़ के कई परिवारों को बेहतर इलाज के लिए दूर–दराज के शहरों का रुख करना पड़ता है। ऐसे में अस्पताल आने–जाने, जांच और उपचार का खर्च भी उनके लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

हालांकि, प्रदीप की मौत के पीछे की परिस्थितियों और घटना के अन्य पहलुओं की आधिकारिक पुष्टि संबंधित अधिकारियों की जांच के बाद ही हो सकेगी।

यात्री का पचास हजार रुपए से भरा खोया पर्स लौटाया

केदारनाथ। केदारनाथ मंदिर परिसर में खोए पर्स को पुलिसकर्मियों ने तलाश कर यात्री को सकुशल लौटा दिया। पर्स में 50 हजार रुपये की नकदी, मोबाइल फोन, वाहन की चाबी और महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे थे। पुलिस के अनुसार, 28 अक्तूबर को आंध्र प्रदेश निवासी वुटुकुरू गोपाल कृष्णा ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पर्स खोने की जानकारी दी। इसके बाद हेड कांस्टेबल अनुज, कांस्टेबल पुनीत शर्मा और 46वीं वाहिनी पीएसी के कांस्टेबल गौरव ने मंदिर परिसर में तलाश शुरू की। कुछ समय बाद पर्स बरामद कर यात्री को सौंप दिया गया। पर्स और उसमें रखी सामग्री सुरक्षित मिलने पर यात्री ने उत्तराखंड पुलिस का आभार जताया।

स्थानीय हुनर को पहचान दिलाएगी जैंती की किरण

अल्मोड़ा। पहाड़ की संस्कृति और हुनर को नई पहचान दिलाने के संकल्प के साथ श्री राम सिंह धोनी महाविद्यालय जैंती की छात्रा किरण जोशी उद्यमिता की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। किरण का चयन उद्यमिता विकास कार्यक्रम उद्यमिता विकास कार्यक्रम (एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम) के लिए हुआ है। वर्तमान में वह भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), नवाचार एवं उद्यमिता विकास फाउंडेशन (एफआईईडी) और भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर (आईआईएम) से जुड़े उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। किरण का उद्देश्य द पहाड़ी एटेलियर स्थानीय कलाकारों और कारीगरों के हस्तनिर्मित उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना है।

इस पहल के जरिये वह क्षेत्र की प्रतिभाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना चाहती हैं। प्रतिष्ठित संस्थानों से प्रशिक्षण लेकर किरण अपने उद्देश्य को व्यावसायिक स्वरूप देने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उनकी पहल पारंपरिक हस्तकला को प्रोत्साहन देने और स्थानीय कौशल को नई पहचान दिलाएगी। उनकी इस पहल पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

रतूड़ा में चार करोड़ से बना गढ़ दर्शन रिजॉर्ट शुरू

रुद्रप्रयाग। बदरीनाथ–केदारनाथ यात्रा मार्ग पर रतूड़ा में करीब चार करोड़ रुपये की लागत से बने गढ़ दर्शन रिजॉर्ट और रेस्टोरेंट का बृहस्पतिवार को कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने शुभारंभ किया। उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ की इस पहल का उद्देश्य पर्यटन के साथ स्थानीय उत्पादों, पहाड़ी खानपान और महिला स्वयं सहायता समूहों को जोड़ना है।

सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े। रिजॉर्ट के पहले चरण में 16 कॉटेज और रेस्टोरेंट तैयार किए गए हैं। यहां चारधाम यात्रियों को पारंपरिक गढ़वाली व्यंजन और स्थानीय उत्पाद उपलब्ध कराने की योजना है। महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री और प्रदर्शन के लिए भी मंच मिलेगा। इससे स्थानीय महिलाओं की आय बढ़ाने और युवाओं को क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की उम्मीद है। कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र में इस तरह की पहल से स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा और पलायन रोकने में मदद मिल सकती है। सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने इसे सहकारिता के जरिए आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। यूसीएफ के प्रबंध निदेशक आनंद शुक्ला ने कहा कि संघ पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी के साथ बायो फर्टिलाइजर, धान और मिलेट्स खरीद जैसे क्षेत्रों में भी कार्य विस्तार कर रहा है। संघ ने एक हजार करोड़ रुपये के टर्नओवर का लक्ष्य रखा है।

खानपुर से चुनाव लड़कर राजनीतिक बदला लेना चाहते हैं हरीश रावत

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के खानपुर से चुनाव लड़ने की इच्छा जताने के बाद यह साफ हो गया कि वे उनकी सरकार गिराने में भूमिका निभाने वाले दो–दो क्षत्रपों से राजनीतिक बदला लेना चाहते हैं। उस सियासी संकट की टीस कई बार उनके वक्तव्यों में झलकती रही है लेकिन अब चुनावी दौर का सटीक समय भांपते हुए उनके मन में पुराना हिसाब किताब बराबर करने आ गई है। दरअसल, खानपुर की जिस सीट पर हरीश रावत का मन मचल रहा है, वहां वर्तमान में विधायक उमेश कुमार के स्टिंग ऑपरेशन ने उनकी सरकार को खतरे में ला दिया था। इसमें हरीश रावत की राजनीति पर कई सवाल खड़े हुए थे। इसके बाद वर्ष 2016 में कांग्रेस सरकार के संकट के दौरान चैंपियन की बगावत और विधायकों की टूट ने रावत सरकार की मुश्किलें बढ़ा दी थी। तभी से हरीश रावत की दोनों के प्रति सियासी अदावत चल रही है। उमेश–चैंपियन भी हरीश रावत पर हमला बोलते रहे हैं।

मनरेगा का लंबित भुगतान जारी करने की मांग

चौखुटिया (अल्मोड़ा)। गैरसैंण में चल रहे विधानसभा सत्र के दौरान द्वाराहाट विधायक मदन सिंह बिष्ट ने ग्राम प्रधानों की समस्याओं को लेकर पंचायती राज मंत्री मदन कौशिक को 10 सूत्री मांगपत्र सौंपा। इसमें मनरेगा का लंबित भुगतान जारी करने, प्रधानों का मानदेय बढ़ाने, पंचायतों को वित्तीय अधिकार देने और विकास कार्य पंचायतों के माध्यम से कराने की मांग की गई। मांगपत्र में कहा गया कि ग्राम पंचायतें ग्रामीण विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके बावजूद पंचायतें वित्तीय संसाधनों की कमी, मानदेय और मनरेगा के भुगतान जैसी समस्याओं से जूझ रही हैं। विधायक ने मनरेगा के तहत पूर्व में कराए गए कार्यों की मजदूरी और सामग्री मद का लंबित भुगतान जल्द जारी करने की मांग की। तकनीकी कारणों से हटाए गए पात्र जॉब कार्ड धारकों के नाम दोबारा दर्ज करने और प्रधानों का मानदेय बढ़ाने की मांग भी उठाई।इसके अलावा जनहित से जुड़े भूमि विकास कार्यों को नियमानुसार स्वीकृति देने, पंचायतों को पात्र विभागीय कार्य और अधिकार सौंपने तथा आपदा, आपात स्थिति और विकास कार्यों के लिए पंचायत निधि में पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने की मांग की गई। मांगपत्र में 10 लाख रुपये तक के स्वीकृत विभागीय कार्य पंचायतों से कराने के लिए उन्हें कार्यदायी संस्था का दर्जा देने का प्रस्ताव भी शामिल है।

पीपलकोटी में पार्किंग और आईटीआई भवन की मांग उठाई

पीपलकोटी। भाजपा प्रदेश सह संयोजक व्यावसायिक प्रकोष्ठ एवं बंड विकास संगठन के पूर्व अध्यक्ष अतुल साह ने विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और विभिन्न मंत्रियों से मुलाकात कर चमोली जिले की समस्याएं उठाईं। उन्होंने पीपलकोटी में पार्किंग निर्माण, विद्युत सब स्टेशन की स्थापना, आईटीआई भवन निर्माण और राज्य आंदोलनकारियों को प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की।

अतुल साह ने पीपलकोटी की पेयजल योजना के लिए धनराशि उपलब्ध कराने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पीपलकोटी चारधाम यात्रा मार्ग का महत्वपूर्ण पड़ाव है। यहां श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की आवाजाही को देखते हुए बुनियादी सुविधाओं का विस्तार जरूरी है।

उन्होंने सेलडाला ग्राउंड के विकास के लिए जिला योजना से धनराशि उपलब्ध कराने और पशुपालकों की सुविधा के लिए पशु चिकित्सालय भवन निर्माण की मांग भी रखी।

साथ ही पात्र राज्य आंदोलनकारियों को नियमानुसार प्रमाणपत्र जारी करने का अनुरोध किया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन **16:00 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या	220-DRM-MB-26-27 Date – 26.10.2026	221-DRM-MB-26-27 Date – 26.10.2026
कार्य का नाम	Cess Repair work between MB-GMS in the section of SSE/W/GJL under ADEN/GJL.	Dewatering arrangement at various LHS in the section of Sr.DEN/IV/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	19.11.2026	19.11.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत (रु.)	99,94,230.48	39,99,976.32
धरोहर राशि (रु.)	1,99,900.00	80,000.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 माह	8 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	05.11.2026	05.11.2026

सं.: Sr.DEN-IV/Publication/26-27 दिनांक: 27.10.2026 3792/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रणजी ट्रॉफी रिकॉर्ड.... सरफराज के भाई मुशीर खान ने किया कमाल

मुंबई।रणजी ट्रॉफी में मुंबई के युवा ऑलराउंडर मुशीर खान ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया। हरियाणा के खिलाफ एलीट ग्रुप डी मुकाबले में मुशीर ने शतक लगाने के साथ पांच विकेट लेने का कारनामा किया। वह 21वीं सदी में एक ही रणजी ट्रॉफी मैच में शतक और पांच विकेट लेने वाले मुंबई के पहले खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 1990-91 सत्र में रवि शास्त्री ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

मुशीर के शानदार प्रदर्शन से मुंबई ने पहली पारी में हरियाणा पर 160 रन की बढ़त हासिल की। मुंबई ने पहली पारी में 430 रन बनाए, जिसके जवाब में हरियाणा की टीम 270 रन पर सिमट गई। मुशीर ने 85 रन देकर छह विकेट झटके और हरियाणा के शुरुआती पांच विकेट भी अपने नाम किए।

हरियाणा पर फॉलोऑन का दबाव

मुंबई ने हरियाणा को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक हरियाणा ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 73 रन बना लिए थे। टीम अभी भी 87 रन पीछे थी और उसके आठ विकेट बाकी थे। मुशीर ने पिच के मिजाज पर कहा, 'पिच की रफ्तार काफी धीमी हो गई है। हमारे स्पिनर उन जगहों पर गेंद डालने की कोशिश कर रहे हैं, जहां गेंद ज्यादा उछल रही है और टर्न मिल रहा है।'

हरियाणा की ओर से निशांत सिंधु ने संघर्ष करते हुए पहली पारी में नाबाद 105 रन बनाए। उन्होंने 251 गेंदों का सामना किया और आठ चौके तथा एक छक्का लगाया। दूसरी पारी में भी वह 22 रन बनाकर नाबाद थे। सिंधु ने घरेलू मैदान पर टर्न लेती पिचों पर खेलने के अनुभव को उपयोगी बताया। उन्होंने कहा, 'वहां लंबे समय से सीम की तुलना में गेंद ज्यादा स्पिन हो रही है। वहां खेलने के बाद यहां बल्लेबाजी करना आसान लगा।'

आईपीएल से भी सीखा टीम के लिए खेलना

चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के आईपीएल शिविरों का हिस्सा रह चुके सिंधु ने बताया कि अनुभवी खिलाड़ियों से बातचीत ने उनकी सोच बदली है। उन्होंने कहा, 'जब आप युवा होते हैं, तो सोचते हैं कि यह मेरा खेल है और मैं इसे अपने तरीके से खेलूंगा। लेकिन एमएस धोनी और दूसरे खिलाड़ियों से बात करके मैंने हालात के हिसाब से टीम के लिए खेलना सीखा है।' मुंबई की नजर अब लगातार तीसरी जीत बोनस अंक के साथ हासिल करने पर थी। वहीं, मुशीर का ऑलराउंड प्रदर्शन टीम के लिए निर्णायक साबित हुआ।

डबलिन एयरपोर्ट पर हुआ गलत व्यवहार श्रीलंकाई दिग्गज संगकारा भड़के

डबलिन। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने आयरलैंड के डबलिन एयरपोर्ट पर एयरलाइन कर्मचारियों के कथित व्यवहार को लेकर नाराजगी जताई है। संगकारा ने आरोप लगाया कि रायनएयर के गेट स्टाफ ने उनके परिवार के साथ भेदभावपूर्ण और धमकी भरा व्यवहार किया। 48 वर्षीय पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने बुधवार, 28 अक्तूबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना अनुभव साझा करते हुए इसे चौंकाने वाला और अस्वीकार्य बताया। एयरलाइन की ओर से इन आरोपों पर अभी तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।संगकारा ने एक्स पर रायनएयर के कर्मचारियों के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए दूसरे यात्रियों से भी अपने अनुभव साझा करने को कहा। उन्होंने लिखा, 'क्या डबलिन में किसी और यात्री को रायनएयर के भेदभावपूर्ण गेट स्टाफ का सामना करना पड़ा है? मेरे और मेरे परिवार के साथ अभी ऐसा ही हुआ और यह चौंकाने वाला था। बात करने का लहजा, प्रक्रिया को गलत तरीके से संभालना और धमकी भरा व्यवहार। किसी भी यात्री के साथ ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है।

स्मिथ की वापसी के लिए करना होगा दिसम्बर तक इंतजार

केप टाउन। ऑस्ट्रेलिया को स्टीव स्मिथ की वापसी के लिए दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज तक इंतजार करना होगा। स्कैन से पता चला है कि उन्हें 'सर्वाइकल फैसेट जॉइंट' (गर्दन के जोड़) में चोट लगी है। इस चोट के कारण अनुभवी बल्लेबाज को केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे निर्णायक टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा।

पिछले हफ्ते गकेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द महसूस हुआ। यह समस्या बनी रही और गर्दन की सीमित हलचल के कारण उन्हें तीसरे टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा, जो मंगलवार से शुरू हुआ है। इसके बाद में हुई मेडिकल जांच से चोट की प्रकृति साफ हो गई है और उनके ठीक होने के समय के बारे में भी स्पष्ट जानकारी मिल गई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि 37 वर्षीय खिलाड़ी आगामी घरेलू सीरीज तक चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। इस दौरान उनका इलाज और रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) जारी रहेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, 'पिछले हफ्ते गेबेरहा में दूसरे टेस्ट के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द हुआ। बाद में एमआरआई स्कैन से 'सर्वाइकल फैसेट जॉइंट' में चोट की पुष्टि हुई। इस चोट और गर्दन की

सीमित हलचल के कारण, वह मौजूदा टेस्ट मैच में खेलने के लिए फिट नहीं थे। स्टीव का इलाज और रिहैबिलिटेशन जारी रहेगा। उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट होकर वापसी करेंगे।'

स्मिथ के बाहर होने से जोश इंग्लिस के लिए टेस्ट टीम में वापसी का रास्ता खुल गया। बुधवार को मिले इस मौके का उन्होंने पूरा फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट जल्दी गिर जाने के बाद दबाव में बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिस 85 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी पारी की मदद से मेहमान टीम ने 330/4 का स्कोर बना लिया है और साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में एक रन की मामूली बढ़त हासिल कर ली है।पिछले साल एशेज सीरीज के अंतिम मुकाबले के बाद यह इंग्लिस का पहला टेस्ट है। जल्दी सेट होने और दबाव का सामना करने की उनकी क्षमता की उनके साथी खिलाड़ी मैथ्यू रेनशॉ ने तारीफ की।

बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइमः फैंस ने चुना सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ

मेसी पर भारी पड़े रोनाल्डो!

लंदन, एजेंसी। फुटबॉल की दुनिया में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के बीच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की बहस लंबे समय से जारी है। अब फैंस की वोटिंग में रोनाल्डो ने मेसी को पीछे छोड़ते हुए बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम (B.O.A.T.) का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस वोटिंग में पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी के 2008 के सीजन को बैलोन डी'ओर के इतिहास में किसी विजेता का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत सीजन चुना गया। वहीं, मेसी का 2012 का ऐतिहासिक सीजन दूसरे स्थान पर रहा।

बैलोन डी'ओर संगठन ने 2026 के गोल्डन बॉल पुरस्कार के नतीजे सामने आने के कुछ दिन बाद इस वोटिंग के परिणाम जारी किए। इंग्लैंड और बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने 2026 का गोल्डन बॉल पुरस्कार जीता था। हालांकि, बी.ओ.ए.टी का फैसला फैंस की वोटिंग के आधार पर हुआ।

रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ 2007-08 के सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। उनके दमदार खेल की बदौलत क्लब ने प्रीमियर लीग और यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब जीता। रोनाल्डो ने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 42 गोल किए और आठ असिस्ट दिए। इस दौरान उन्होंने कई बड़े व्यक्तिगत पुरस्कार भी अपने नाम किए। वह प्रीमियर लीग के गोल्डन बूट विजेता बने और चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। इसके अलावा, उन्होंने यूरोपियन गोल्डन शू भी जीता।रोनाल्डो को प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द सीजन, पीएफए प्लेयर्स प्लेयर ऑफ द ईयर, एफडब्ल्यूए फुटबॉलर ऑफ द ईयर, यूईएफए क्लब फुटबॉलर ऑफ द ईयर और फीफा वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर जैसे सम्मान भी मिले। इस तरह 2008 उनके करियर के सबसे यादगार वर्षों में शामिल हो गया। बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम की अंतिम रैंकिंग में रोनाल्डो और मेसी का पूरी तरह दबदबा रहा। शीर्ष 10 में इन दोनों के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी को जगह नहीं मिली। रोनाल्डो ने अपने पांच सीजन के दम पर सूची में जगह बनाई। इनमें 2008, 2017, 2016, 2014 और 2013 शामिल हैं। वहीं, मेसी के 2012, 2023, 2015, 2011 और 2009 के सीजन शीर्ष 10 में शामिल रहे।मेसी के नाम किसी भी खिलाड़ी से ज्यादा बैलोन डी'ओर खिताब हैं, लेकिन इस खास वोटिंग में रोनाल्डो का 2008 का प्रदर्शन सबसे आगे रहा।

वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए बनाई रणनीति... तिलक ने किया खुलासा

भारत के टी-20 खिलाड़ियों को कोच गंभीर की दो टूक!

ऑकलैंड, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने बताया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम बैठकों में खिलाड़ियों को स्पष्ट कर दिया है कि टी20 टीम का प्रदर्शन आगामी वनडे और टेस्ट टीमों के लिए भी गति तय करेगा। तिलक के मुताबिक, यह लंबा दौरा है और भारतीय खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन का स्तर बनाए रखना होगा। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और अब उसकी नजर क्लीन स्वीप पर है।

तिलक वर्मा ने बताया कि भारत को घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज खेलने के तुरंत बाद न्यूजीलैंड पहुंचना पड़ा। ऐसे में परिस्थितियों और समय क्षेत्र के अनुसार खुद को ढालना आसान नहीं था। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी इन चीजों का बहाना नहीं बना सकते।

तिलक ने कहा, 'इस स्तर पर हम बहाने नहीं बना सकते। हम सर्वोच्च स्तर पर खेल रहे हैं और हमें उन युवा खिलाड़ियों के लिए मानक तय करने होंगे, जो हमें देखकर प्रेरित होते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'गौतम सर ने टीम बैठकों में स्पष्ट कर दिया कि यह लंबा दौरा है और टी20 टीम के तौर पर हम जो स्तर तय करेंगे, उससे वनडे और टेस्ट टीमों को भी गति मिलेगी।'

पांच पर बल्लेबाजी करने से बदला अंदाज

तिलक ने बताया कि नंबर तीन के बजाय पांच या छह पर बल्लेबाजी करने से उनकी सोच में थोड़ा बदलाव आया है। पहले से ही बड़े शॉट खेलने की क्षमता होने के बावजूद अब वह परिस्थितियों के अनुसार पारी आगे बढ़ाने पर ध्यान देते हैं उन्होंने कहा, 'मेरे पास पहले भी पावर गेम था और मैंने नंबर तीन पर भी रन बनाए हैं। अब नंबर पांच या छह पर बल्लेबाजी करते हुए, अगर पहली गेंद पर बाउंड्री लगाने का मौका मिलता है, तो मैं उसका फायदा उठाने के बारे में सोचता हूं।' उन्होंने आगे बताया कि अगर पहली गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का मौका नहीं मिलता, तो वह पारी को गहराई तक ले जाने पर ध्यान देते हैं। इस दौरान सिंगल और डबल लेकर गैप तलाशना उनकी रणनीति का हिस्सा होता है।

दबाव को बनाते हैं हथियार

तिलक ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय वह गेंदबाजों की मानसिक स्थिति को भी ध्यान में रखते हैं। उनके मुताबिक, आखिरी ओवरों में बल्लेबाज की तुलना में गेंदबाज पर ज्यादा दबाव होता है। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में यह सकारात्मक सोच रहती है कि गेंदबाज पर ज्यादा दबाव है और ऐसे में उससे रन देने की गलती हो सकती है।' न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में नीतीश रेड्डी के साथ अहम साझेदारी पर तिलक ने बताया कि उन्होंने रेड्डी से कहा था, 'अगर हम यहां से मैच जिता देते हैं, तो बहुत मजा आएगा। मैदान पर टिके रहो, मैच को आखिर तक ले चलो और फिर देखते हैं कि क्या होता है।'

5-0 से सीरीज जीतने पर नजर

भारत पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से आगे है। तिलक ने कहा कि टीम के पास क्लीन स्वीप हासिल करने का शानदार मौका है और खिलाड़ी अगले मैच को जीतकर भारतीय प्रशंसकों को 5-0 की सीरीज जीत का मौका देना चाहते हैं।

टी20 सीरीज....न्यूजीलैंड को झटका!

भारत के खिलाफ आखिरी दो मैचों से बाहर हुए तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन

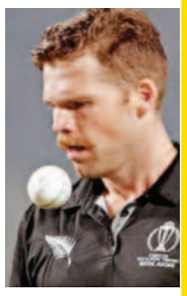

ऑकलैंड। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्यूसन पिंडली की चोट के कारण आखिरी दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उन्हें पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने फर्ग्यूसन की जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया है। भारत सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है। चौथा टी20 मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाना है।

फर्ग्यूसन की पिंडली में लगी चोट

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को बताया कि फर्ग्यूसन को हेग्ले ओवल में खेले गए दूसरे टी20 के दौरान दाहिनी पिंडली में दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद कराए गए स्कैन में हल्का मांसपेशियों का खिंचाव सामने आया। उन्हें वापसी के लिए लगभग एक सप्ताह और आराम की जरूरत होगी।न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'लोकी और मैट के चोटिल होने से हम निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चोटें खेल का हिस्सा हैं, लेकिन जब आपको मुकाबलों से बाहर होना पड़ता है तो निराशा होती ही है।' वाल्टर ने उम्मीद जताई कि दोनों गेंदबाज चार नवंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे सीरीज में खेल सकेंगे।

मैट हेनरी भी चोट से परेशान

न्यूजीलैंड के एक और तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी टी20 सीरीज से बाहर हैं। दूसरे मुकाबले के दौरान उनकी दाहिनी जांघ की मांसपेशियों में दर्द हुआ था। स्कैन में उन्हें भी हल्का खिंचाव होने की पुष्टि हुई है। उनके ठीक होने में एक से दो सप्ताह लग सकते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, हेनरी को पहले से तय कार्यभार प्रबंधन के तहत वनडे सीरीज के लिए टीम में लौटना था। चोट के बावजूद वह वनडे सीरीज के लिए तय कार्यक्रम के अनुसार वापसी की राह पर हैं। वाल्टर ने कहा, 'मैट को बाकी टी20 मुकाबलों से पहले ही आराम दिया जाना था, ताकि वह गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम के लिए तैयार रह सकें। हमें उम्मीद है कि वह वनडे सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे।'

जेमीसन भी वनडे सीरीज के लिए तैयार

टी20 टीम में गेंदबाजी कवर के तौर पर वेलिंगटन पहुंचे मैट फिशर अब सीरीज के बाकी मुकाबलों में फर्ग्यूसन की जगह लेंगे। उनकी जगह न्यूजीलैंड ए टीम में तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को शामिल किया गया है, जो भारत ए के खिलाफ दूसरे मैच में खेलेंगे। वहीं, काइल जेमीसन तय कार्यभार प्रबंधन के तहत वेलिंगटन में ही रहेंगे और शनिवार को कैंटरबरी के लिए फोर्ड ट्रॉफी का मुकाबला खेल सकते हैं। इसके बाद वह सोमवार को न्यूजीलैंड की टीम से जुड़ेंगे। वाल्टर ने कहा कि फर्ग्यूसन ईडन पार्क में घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित थे, लेकिन अब उनका ध्यान वनडे सीरीज तक फिट होने पर है।

चौथे टी-20 में ईशान की होगी वापसी... नेट्स पर बहाया पसीना

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला ऑकलैंड में खेला जाएगा। यह मुकाबला 30 अक्तूबर को खेला जाएगा। मैच से पहले बीसीसीआई ने ऑकलैंड से प्रैक्टिस की तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में ईशान किशन भी बल्लेबाजी अभ्यास करते दिख रहे हैं। ऐसे में कयास लग रहे हैं कि उनकी अगले टी20 में प्लेइंग-11 में वापसी हो सकती है। वहीं, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा और शिवम दुबे भी बल्लेबाजी अभ्यास करते दिखे। भारतीय टीम सीरीज में पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। बीसीसीआई ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'ईडन पार्क, ऑकलैंड। चौथे टी20 से पहले मैच रेडी होते हुए खिलाड़ी।' तस्वीरों में तिलक शॉट्स लगाते दिख रहे हैं। वहीं, कोच गौतम गंभीर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी के गुर सिखाते दिखे। नेट्स के दौरान वैभव ईशान किशन के साथ मस्ती मजाक भी करते दिखे।